अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 19 लखनऊ, बुधवार, 30 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

प्रलय मिसाइल के दो लगातार सफल उडान परीक्षण

नयी दिल्ली। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पिछले दो दिनों में प्रलय मिसाइल के लगातार दो सफल परीक्षण किये हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार ये परीक्षण सोमवार और मंगलवार को ओडिशा तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किये गये। ये उड़ान परीक्षण मिसाइल प्रणाली की अधिकतम और न्यूनतम सीमा क्षमता को प्रमाणित करने के लिए मूल्यांकन परीक्षणों के एक भाग के रूप में किए गए थे। मिसाइलों ने सभी परीक्षण उद्देश्यों को पूरा करते हुए सटीकता के साथ लक्ष्यों पर निशाना साधा। सभी उप-प्रणालियों ने अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदर्शन किया, जिसका सत्यापन एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) द्वारा तैनात विभिन्न ट्रैकिंग सेंसरों द्वारा प्राप्त परीक्षण आंकड़ों का उपयोग करके किया गया। प्रलय स्वदेशी रूप से विकसित ठोस प्रणोदक अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है जो विभिन्न लक्ष्यों पर कई प्रकार के आयुध ले जाने में सक्षम है। इस प्रणाली को आरडीओ की प्रयोगशालाओं - रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला, आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला, टर्मिनल बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (इंजीनियरिंग) और आईटीआर आदि; उद्योग भागीदारों - भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और कई अन्य उद्योगों और एमएसएमई के सहयोग से विकसित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षणों के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग जगत को बधाई दी है।

यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को सेवा विस्तार पर संशय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार को लगभग 15 दिन पहले ही पत्र लिखकर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के सेवा विस्तार की मांगा था लेकिन अभी तक केंद्र सरकार की हरी झंडी नहीं मिली है। ऐसे में यूपी के सियासी गलियारें में कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं। शासन से जुड़े सूत्रों की माने तो मनोज कुमार सिंह को सेवा विस्तार पर संशय बना हुआ है। उनको सेवा विस्तार मिलेगा, इस बात की संभावना काफी कम लग रही है। अगर उनका विस्तार नहीं होता है तो यूपी की नौकरशाही में फिर बड़े स्तर पर फ़ेरबदल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। दरअसल मनोज कुमार सिंह 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। राज्य सरकार केंद्र से हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रही है।

अब आतंकियों को भारत का डर सताता है: मोदी

एजेंसी

- पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने को दुनिया के किसी नेता ने नहीं कहा : पीएम
- कांग्रेस मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर हो गयी है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों पर आतंक के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया और बताया कि उनकी सरकार ने भारत की विदेश और रक्षा नीति में पिछले 11 सालों के दौरान बड़े बदलाव कर देश को सशक्त बनाया है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जाहिर किया कि आतंकवाद पर दुनिया के देशों से समर्थन मिला लेकिन कांग्रेस से समर्थन नहीं मिला। साथ ही कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से आज आतंक के आकाओं को डर सताता है कि भारत आएगा और मार कर जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने के दावे का खंडन किया और विपक्ष पर कटाक्ष किया कि उनके नेता 'बयान बहादुरों' की तरह केवल सवाल उठाते हैं। वे आतंकी हमले पर की गई कार्रवाई पर सवाल उठाते हैं और हमला होने पर यह सवाल उठाते हैं कि कार्रवाई को क्यों रोका गया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कांग्रेस से जुड़ी विदेश नीति और आतंक के खिलाफ रणनीति दोनों पर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि तुष्टिकरण की राजनीति के कारण आतंक के खिलाफ देश की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश की गई।

यहां तक कि वोट बैंक की राजनीति के कारण 26/11 के हमले को हिंदू आतंकवाद से जोड़ने की कोशिश की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, देश हैरान है कि कांग्रेस ने पाकिस्तान को क्लीन चिट दे दी है। वे कह रहे हैं कि पहलगाम के आतंकवादी पाकिस्तान से थे। हमें इसका सबूत दीजिए। पाकिस्तान भी वही मांग कर रहा है जो कांग्रेस कर रही है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का जिक्र किया और कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने मेक इन इंडिया के हथियारों का दुनिया में डंका बजा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई विजन नहीं था। उनके कालखंड में छोटे-छोटे हथियार के लिए भी विदेशों पर निर्भरता थी। उनकी सरकार ने रक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव किये जिससे आज भारत का रक्षा उत्पादन ढाई सौ प्रतिशत और निर्यात 30 गुना बड़ा है और भारत के हथियार दुनिया के 100 देशों तक पहुंच रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे का स्पष्ट रूप से खंडन करते हुए उन्होंने सदन को बताया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत को अपने ऑपरेशन को रोकने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने कहा कि भारत युद्ध का नहीं बल्कि बुद्ध का देश है और हम समृद्धि और शांति चाहते हैं पर यह नहीं भूलना चाहिए की समृद्धि और शांति का मार्ग शक्ति से होकर जाता है। प्रधानमंत्री कहा कि कांग्रेस ने भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ हमेशा समझौता किया है। आज उसके नेता पूछ रहे हैं कि भारत सरकार ने पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस क्यों नहीं लिया। वह पूछना चाहते हैं कि आखिर पीओके पर कब्जा किसकी सरकार ने होने दिया। उन्होंने कहा कि लम्हों ने खता की सदियों ने सजा पाई। आजादी के बाद कांग्रेस सरकार के गलत निर्णय की कीमत आज भी भारत चुका रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की आतंक के खिलाफ कार्रवाई से आज आतंकियों के मन में दहशत का माहौल है। उन्होंने कहा कि हमले के बाद अब उनकी आंखों में नींद नहीं आती। उन्हें डर सताता है कि भारत आएगा और मार कर जाएगा। यह आज का न्यू नॉर्मल सेट किया गया है।

सारे आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान और पाकिस्तान कांग्रेस की भूल: अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और पाकिस्तान के प्रति नरम नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सारे आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान है और पाकिस्तान कांग्रेस की भूल है। गृहमंत्री अमित शाह ने कल से लोकसभा में जारी पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा में आज भाग लिया। उन्होंने ऑपरेशन महादेव, पहलगाम हमले पर एनआईए जांच, पूरे घटनाक्रम और आंतकवाद के खिलाफ भाजपा सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति से अवगत कराया। उन्होंने कांग्रेस सरकारों के दौरान कथित तौर पर की गयी ऐतिहासिक गलतियों का भी उल्लेख किया और तुष्टीकरण के मुद्दे पर पार्टी पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही देश के विभाजन को स्वीकार किया। पीओके को हासिल किए बिना 1948 में संघर्ष विराम और 1971 में मिली बड़ी जीत के बावजूद पीओके नहीं लेना पार्टी की बड़ी भूल रही। अगर ऐसा न किया होता 'तो न रहता बांस न बजती बांसूरी।' उन्होंने कहा, ल्लपाकिस्तान कांग्रेस की भूल है। अगर उन्होंने बंटवारा स्वीकार नहीं किया होता, तो आज पाकिस्तान नहीं होता।ङ्क शाह ने विपक्ष के पहलगाम हमले के बाद निर्णायक बढ़त हासिल करने के बावजूद भी आगे कार्रवाई नहीं करने के सवाल का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य आतंक के खिलाफ कार्रवाई था न कि युद्ध लड़ना। युद्ध का अपना परिणाम होता है।

राष्ट्रपति के संदर्भ की जांच 19 अगस्त से: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि राज्य विधानसभाओं की ओर से पारित विधेयकों को मंजूरी देने की समय सीमा तय करने संबंधी राष्ट्रपति के संदर्भ की जांच 19 अगस्त से शुरू की जायेगी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की संविधान पीठ ने सुनवाई की तारीखें तय करते हुए सभी पक्षों से 12 अगस्त तक लिखित दलीलें पेश करने को कहा। न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अदालत शुरुआत में केरल, तमिलनाडु और अन्य की सुनवाई करने की विचारणीयता के मुद्दे पर दलीलें सुनेगी।शीर्ष अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं को दलीलें पेश करने के लिए चार-चार दिन का समय देने के सुझाव पर सहमति जताई। पीठ ने कहा, ''शुरुआत में हम प्रारंभिक आपत्ति पर एक घंटे तक पक्षकारों की सुनवाई करेंगे। उसके बाद, हम 19, 20, 21, 26 अगस्त को संदर्भ का समर्थन करने वाले अटॉर्नी जनरल और केंद्र सरकार की सुनवाई शुरू करेंगे।संदर्भ का विरोध करने वाले पक्षों की सुनवाई 28 अगस्त, और दो , तीन तथा नौ सितंबर को होगी। यदि कोई प्रत्युत्तर होगा, तो उस पर 10 सितंबर को सुनवाई होगी। न्यायालय ने केंद्र और संदर्भ का विरोध करने वाले पक्षों की ओर से अधिवक्ता अमन मेहता और मीशा रोहतगी को नोडल अधिवक्ता नियुक्त किया।कार्यवाही के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ के समक्ष कहा कि प्रत्येक पक्ष को बहस के लिए चार दिन का समय दिया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपालों और राष्ट्रपति द्वारा कार्रवाई करने के लिए समय सीमा निर्धारित करने से संबंधित राष्ट्रपति संदर्भ पर केंद्र और सभी राज्य सरकारों को 22 जुलाई को नोटिस जारी किया था।

खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन को सरकार प्रतिबद्ध : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुख्यमंत्री योगी ने प्रयागराज एवं विन्ध्यांचल मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ किया संवाद

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के चतुर्दिक विकास के लिए प्रारंभ की गई मण्डलवार जनप्रतिनिधि संवाद श्रृंखला के अन्तर्गत मंगलवार को सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रयागराज और विन्ध्यांचल मण्डल के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ प्रस्ताव एवं कार्य योजना की समीक्षा कर दिशा निर्देश दिये। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जन अपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। बैठक का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभव के माध्यम से राज्य के क्षेत्र विशेष की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समझना और समाधान सुनिश्चित करना था।

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेलों से संबंधित अवस्थापना सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। विगत आठ सालों में इसके परिणाम भी सामने आए हैं। एक तरफ ग्रामीण स्तर तक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है तो दूसरी तरफ पदक विजेता खिलाड़ियों को सम्मानजनक पुरस्कार राशि देने के साथ उन्हें सरकारी नौकरी की सुविधा दी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों के माध्यम से देश-प्रदेश का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी देने के मामले में उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में नागपंचमी के अवसर पर खेल विभाग और जिला कुश्ती संघ की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में पिछले 11 सालों से खेल और खेल की गतिविधियों में भारी परिवर्तन आया है। 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने खेलो इंडिया की घोषणा कर युवाओं और नागरिकों को खेलों की उपादेयता से अवगत कराया। प्रोत्साहन मिलने से 11 वर्षों के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने ओलंपिक, एशियाड, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियाड, वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है और इसमें उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत आठ वर्षों में प्रदेश सरकार ने राज्य में खेल अवस्थापना सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं और प्रतिभागियों का सम्मान करने के साथ गांव, ब्लॉक और जिला स्तर तक खेल सुविधाओं का विकास किया है। गांव स्तर पर खेल के मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम बनाए गए। युवक मंगल दलों और महिला मंगल दलों के माध्यम से गांव-गांव के खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट प्रदान किए गए। प्रदेश की खेल नीति के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल लाने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश सरकार सरकारी नौकरी की सुविधा दे रही है। खिलाड़ियों सरकारी नौकरी देने के मामले में प्रदेश पहले स्थान पर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता, अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी गई है। अपने संबोधन में स्वस्थ शरीर के लिए खेलों की महत्ता का बताते हुए सीएम योगी ने प्राचीन भारतीय संस्कृति का उद्धरण दिया और कहा, 'शरीर माध्यम खलु धर्म साधनम'। अर्थात धर्म के सभी साधनों की पूर्ति के लिए शरीर ही माध्यम है। योगी ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर के प्रांगण में प्राचीन भारतीय खेल कुश्ती प्रतियोगिता की परंपरा सैकडों वर्षों पुरानी है। मुख्यमंत्री ने सभी को नागपंचमी पर्व की बधाई देते हुए कहा कि नागपंचमी आध्यात्मिक शक्ति पूजन का भी पर्व है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार व उत्तर प्रदेश वीर अभिमन्यु खिताब के लिए फाइनल मुकाबले का अवलोकन किया और ताली बजाकर पहलवानों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश केसरी का खिताब जीतने वाले गौतमबुद्धनगर के जोंटी भाटी को 1.01 लाख रुपये व गदा, उप विजेता बागपत के उत्तम राणा को 51 हजार रुपये, उत्तर प्रदेश कुमार का खिताब जीतने वाले गोरखपुर खेल छात्रावास के सौरभ को 1.01 लाख रुपये व गदा, उप विजेता गोरखपुर के रमन सिंह को 25 हजार, वीर अभिमन्यु का खिताब जीतने वाले गोंडा के मोनू को 51 हजार रुपये व गदा, उप विजेता गोरखपुर के जनार्दन को 25 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश केसरी के मुकाबले में तीसरे स्थान पर रहे दो पहलवानों बागपत के मयंक तोमर व एनई रेलवे के वीरेश कुंडू को तथा उत्तर प्रदेश कुमार के मुकाबले में तीसरे स्थान पर रहे दो पहलवानों गोंडा के मोहित और जौनपुर के अमित यादव को 21-21 हजार रुपये का पुरस्कार दिया। जबकि वीर अभिमन्यु के मुकाबले में तीसरे स्थान पर रहे दो पहलवानों स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर के अभिषेक यादव व बागपत के सतीश को 11-11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छूते हुए सर्वोत्तम प्रदेश बन रहा है।

सुप्रीम कोर्ट से मिली आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को दो मामलों में राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम को दो मामलों में राहत दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने दोनों मामलों में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही जारी रखने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है। उच्चतम न्यायालय ने अब्दुल्ला आजम की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 23 जुलाई को अब्दुल्ला आजम की याचिका खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया था। अब्दुल्ला आजम के खिलाफ एक मामला फर्जी पासपोर्ट से जुड़ा हुआ है और दूसरा दो पैन कार्ड बनवाने से। भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई 2019 को एक अब्दुल्लाह के खिलाफ फर्जी पासपोर्ट बनवाने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। शिकायत में कहा गया था कि 10 जनवरी 2018 को अब्दुल्ला को पासपोर्ट जारी किया गया था। पासपोर्ट में अब्दुल्ला की जन्म तिथि 30 सितंबर, 1990 है, जबकि शैक्षणिक प्रमाण पत्र में 01 जनवरी 1993 है। सक्सेना ने अब्दुल्ला के खिलाफ 06 दिसंबर 2019 को एक एफआईआर दर्ज करायी थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अब्दुल्ला ने 2017 के अपने चुनावी हलफनामे में गलत पैन नंबर की जानकारी दी थी।

चार देशों के राजनयिकों ने राष्ट्रपति को परिचय पत्र प्रस्तुत किए

नयी दिल्ली। चार देशों डोमिनिकन गणराज्य, तिमोर-लेस्ते, श्रीलंका और गैबोनीज़ गणराज्य के राजदूतों तथा उच्चायुक्तों ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किये। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार इन राजनयिकों ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में अपने परिचय पत्र पेश किये। परिचय पत्र प्रस्तुत करने वालों में डोमिनिकन गणराज्य के राजदूत फ्रांसिस्को मैनुअल कॉम्प्रेस हर्नांडेज़, तिमोर-लेस्ते लोकतांत्रिक गणराज्य के राजदूत कार्लिटो नून्स, श्रीलंका की उच्चायुक्त सुश्री प्रदीपा महिशिनी और गैबोनीज़ गणराज्य के उच्चायुक्त गाय रोड्रिग डिकाय शामिल थे।

'अक्षयवट' कार्यक्रम में बुजुर्गों की मानसिक स्थिति पर हुई प्रभावशाली चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आकाशवाणी लखनऊ द्वारा प्रसारित कार्यक्रम 'अक्षयवट' का नवीनतम अंक, रविवार 27 जुलाई को दोपहर 1:30 बजे प्रस्तुत किया गया, जिसमें विषय था – एकाकी जीवन एवं बुजुर्गों की मानसिक स्थिति।

इस विशेष भेंटवार्ता में समाजसेवी सुशील चंद्र त्रिवेदी ने बुजुर्गों के जीवन में बढ़ते एकांत, बदलते पारिवारिक ढांचे और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रकाश डाला। उनकी सारगर्भित बातों ने यह स्पष्ट किया कि बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा केवल पारिवारिक ही नहीं, सामाजिक चिंता का विषय है। कार्यक्रम के भेंटकर्ता देवाशीष ने प्रासंगिक प्रश्नों के माध्यम से संवाद को और भी प्रभावशाली बनाया। प्रस्तुति मनीष कुमार द्वारा की गई। कार्यक्रम में यह संदेश प्रमुखता से उभरा कि बुजुर्गों को सिर्फ सहानुभूति नहीं, सक्रिय सहभागिता और सम्मानजनक संवाद की आवश्यकता है। श्रोताओं की प्रतिक्रियाएँ अत्यंत सकारात्मक रहीं और सोशल मीडिया पर भी इस विषय को लेकर विशेष रुचि देखी गई।

दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन का उन्नयन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल अपने रेल बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए निरंतर प्रयासरत है और उसने दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर एक महत्वपूर्ण आधुनिकीकरण परियोजना पूरी की है। दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है जहाँ से प्रतिदिन लगभग 104 ट्रेनें चलती/गुजरती हैं (महत्वपूर्ण ट्रेनें जयपुर के लिए डबल डेकर, जम्मू तवी के लिए दुरंतो एक्सप्रेस, यशवंतपुर के लिए दुरंतो एक्सप्रेस, उदयपुर के लिए चेतक एक्सप्रेस, अजमेर जनशताब्दी आदि) हैं। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 30,200 यात्री आते-जाते हैं। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन अब रेल संचालन के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित है। उन्नयन कार्य 21.7.2025 से 28.7.2025 तक चला। इस प्रमुख उन्नयन परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 25 करोड़ रुपये है। यार्ड रीमॉडलिंग कार्य (नॉन इंटरलॉकिंग कार्य) एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। दिल्ली सराय रोहिल्ला यार्ड रीमॉडलिंग परियोजना का मुख्य उद्देश्य सुचारू संचालन, परिचालन क्षमता में वृद्धि, सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करना था। एक अतिरिक्त लूप लाइन और दो अतिरिक्त स्टेबलिंग लाइनें प्रदान की गई हैं, जिससे स्टेशन की क्षमता में वृद्धि होगी और अधिक ट्रेनों के संचालन की क्षमता में वृद्धि होगी। ट्रेनों की शंटिंग अधिक सुविधाजनक होगी। परिचालन दक्षता बढ़ाने के अलावा बेहतर सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिए पुरानी इंटरलॉकिंग प्रणाली को वितरित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से बदल दिया गया है। ट्रैक लेआउट का आधुनिकीकरण किया गया है, अर्थात चार टर्नआउट और नौ ट्रैप लगाए गए हैं। इस उन्नयन कार्य में लगभग 300 रेलवे अधिकारी/कर्मचारी और संविदा कर्मचारी शामिल थे। छह जे.सी.बी. और 4 हाइड्रा को सेवा में लगाया गया। रेलवे टीम ने रीमॉडलिंग कार्य को सफल बनाने के लिए दिन-रात काम किया और नियोजित ब्लॉक अवधि के अनुसार कार्य पूरा किया।

यूपी में 13,991 दिव्यांग बच्चों के उम्मीद की किरण बनी योगी सरकार, एस्कॉर्ट एलाउन्स योजना से देगी शैक्षिक मजबूती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- योजना के तहत योगी सरकार ने स्वीकृत किये 839.46 लाख रूपये

लखनऊ। जब एक दिव्यांग बच्चा अकेले स्कूल नहीं जा सकता, तब शिक्षा महज किताबों की बातें रह जाती हैं। लेकिन उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की समग्र शिक्षा योजना इस मौन पीड़ा को समझती है। अब सरकार ने वर्ष 2025-26 में परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के कक्षा-1 से 8 तक के 13,991 गंभीर और बहु-दिव्यांग छात्र-छात्राओं को एस्कॉर्ट एलाउन्स योजना के अंतर्गत 839.46 लाख रूपये की सहायता देने का फैसला लिया है और उनमें शिक्षा के प्रति भरोसा को एक बार फिर लौटाने का काम किया है। सरकार ने यह भी जताने का प्रयास किया है कि शिक्षा सबकी और सबके लिए है। एस्कॉर्ट एलाउन्स की इस योजना के तहत दृष्टिहीन, बौद्धिक रूप से दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित और जेई/एईएस प्रभावित बच्चों को 600 रूपये प्रतिमाह की दर से 10 माह तक डीबीटी के माध्यम से सहायता दी जाएगी, ताकि वे नियमित रूप से स्कूल आ सकें। केवल वित्तीय सहायता नहीं यह समावेशी शिक्षा की ओर एक ठोस

कदम है। जिसमें प्रेरणा पोर्टल से लेकर पीएफएमएस प्रणाली तक एक साथ चलते हैं। जिसमें तकनीक, पारदर्शिता और करुणा का समन्वित रूप है। यह एक नीतिगत निर्णय के साथ संवेदनशील शासन की पहचान है। जहां वह बच्चा भी पढ़ने के सपने देख सकता है, जो चलने-फिरने तक में अक्षम हो। इस योजना की क्रियान्वयन प्रक्रिया में प्रेरणा पोर्टल और समर्थ पोर्टल की महत्वपूर्ण भूमिका है, जहाँ पहले बच्चों की पात्रता की पुष्टि की जाएगी। 40% या उससे अधिक की दिव्यांगता प्रमाणित करने वाले दस्तावेज अनिवार्य होंगे और विद्यालयों की नियमित उपस्थिति भी इस योजना की पात्रता की शर्त है। सम्पूर्ण प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए विद्यालय से लेकर जिला स्तर तक हर स्तर पर जिम्मेदारी तय की गई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पात्र छात्र-छात्राओं को चिह्नित करेंगे, खंड शिक्षा अधिकारी उसे सत्यापित करेंगे और अंततः जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से अंतिम अनुमोदन होगा। इसके बाद पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से आधार सत्यापन और बैंक वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी कर भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। एफएमएंडपी मैनुअल 2024 के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी योजना 30 सितम्बर तक क्रियानवित हो जाएगी। सभी भुगतान संबंधित मद के अंतर्गत ही किए जाएंगे और इसका दोहरे भुगतान या धनराशि विचलन की स्थिति में संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार माना जाएगा।

प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि यह योजना, आर्थिक सहायता तो है ही, एक सोच भी है। यह सोच है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों में दया, दृष्टि और दृष्टिकोण तीनों का समन्वय है। समावेशी शिक्षा के इस मॉडल में तकनीक और संवेदना साथ-साथ चल रही हैं। क्योंकि शिक्षा तब ही सार्थक है, जब वह हर बच्चे तक पहुंचे। चाहे वह चल सके या न चल सके।

यूपी में पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार नवंबर में पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारी कर रही है, जिसके माध्यम से एक और बड़ा निवेश धरातल पर उतरने जा रहा है।

प्रदेश सरकार ने अब तक दो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया है। पहला समिट 2018 में, जिसमें 4.28 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले थे। वहीं, दूसरा समिट 2023 में, जिसमें रिकॉर्ड 33.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए ही सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अब तक चार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी संपन्न हो चुकी हैं, जिनके माध्यम से धरातल पर उतरे निवेश ने प्रदेश को एक नई पहचान दिलाई है। क्षेत्रवार परियोजनाओं का विश्लेषण करें तो निवेश परियोजनाओं में सबसे बड़ा हिस्सा विनिर्माण क्षेत्र (62.25 प्रतिशत) का है। सेवा क्षेत्र में 28.09 प्रतिशत परियोजनाएं हैं, जबकि शेष निवेश अवस्थापना और अन्य क्षेत्रों में हुआ है।

अधिकृत सूत्रों ने दावा किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सरकार की स्पष्ट नीतियों, पारदर्शिता, समयबद्ध क्रियान्वयन और निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण ने प्रदेश को एक नए औद्योगिक युग में पहुंचा दिया है। योगी के अब तक के शासनकाल में प्रदेश में 16 हजार से अधिक निवेश परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं, जिनमें से आठ हजार से अधिक में वाणिज्यिक संचालन शुरू हो चुका है, जबकि आठ हजार से अधिक परियोजनाएं क्रियान्वयनाधीन हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सिंगल विंडो क्लीयरेंस, औद्योगिक भूमि की आसान उपलब्धता, बेहतर कानून-व्यवस्था, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी और प्रशिक्षित मानव संसाधन जैसे कारकों के चलते उत्तर प्रदेश आज देश-विदेश के निवेशकों का विश्वसनीय निवेश गंतव्य बन चुका है। इसी क्रम में आगामी पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-5), जो नवंबर 2025 में प्रस्तावित है, निवेश को ज़मीन पर उतारने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनने जा रही है। सरकार का लक्ष्य इस आयोजन के माध्यम से प्रारंभिक चरण में 5 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का है, जिसके आयोजन की तिथि तक 10 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की संभावना है। यह आयोजन न सिर्फ उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा में एक मजबूत औद्योगिक और आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा, बल्कि रोजगार के लाखों नए अवसर, स्थानीय स्तर पर उद्यमों का विकास और समग्र सामाजिक-आर्थिक प्रगति को भी गति देगा।

संक्षिप्त समाचार

डायरिया से होने वाली मौतों को रोकें ओआरएस के महत्व को पहचाने

लखनऊ। हर साल 29 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व ओआरएस दिवस, दस्त से होने वाली मौतों को रोकने में ओआरएस के उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उसे बढ़ावा देने का एक अवसर है। पिछले कुछ वर्षों में, कई अभियानों और पहलों के माध्यम से, सरकार ओआरएस को बढ़ावा दे रही है और दस्त से होने वाली मौतों को रोकने के प्रयासों में योगदान दे रही है। उत्तर प्रदेश में बच्चों में दस्त की व्यापकता राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 में 15 प्रतिशत से घटकर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 में केवल 5.6 प्रतिशत रह गई है, जो तेज़ी से कम हुई है। उत्तर प्रदेश में दर्ज सुधार राष्ट्रीय औसत से बेहतर रहा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-4 में 9.2 प्रतिशत से बढ़कर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 में 7.3 प्रतिशत हो गया है। इन निष्कर्षों का समर्थन करते हुए, काकोरी ब्लॉक के रायपुर दशहरी की आशा कार्यकर्ता चंद्रकांति ने कहा कि उनके क्षेत्र में दस्त के मामलों में कमी आई है और ओआरएस की माँग भी बढ़ी है। इन्फेंट एंड यंग चाइल्ड फीडिंग (एवाईसी?फ़) के राष्ट्रीय प्रशिक्षक और डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अरविंद कुमार सिंह का कहना है कि रोटावायरस द्वारा आंत्र संक्रमण के कारण होने वाला दस्त दो वर्ष के बच्चों में एक व्यापक समस्या है। वायरल रोगों में एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग निरर्थक, बल्कि हानिकारक है। ऐसी स्थिति में, ओआरएस, विशेष रूप से जिंक-ओआरएस, दस्त को नियंत्रित करने में सबसे महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवेल के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य दस्त से होने वाली बच्चों की मृत्यु को शून्य करना है। उन्होंने कहा, इसके लिए, पाँच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ओआरएस और ज़िंक के पैकेट वितरित किए जा रहे हैं । डॉ. मिलिंद वर्धन, महाप्रबंधक , बाल स्वास्थ्य , उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन बताते हैं कि राज्य भर में हर साल दस्त रोको अभियान चलाया जाता है, खासकर मानसून के मौसम में जब दस्त के मामले बढ़ जाते हैं। इस अभियान का उद्देश्य दस्त की रोकथाम, उपचार और प्रबंधन की चुनौतियों का समाधान करना है। यूनिसेफ, यूपी की स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. कनुप्रिया सिंघल के अनुसार, यद्यपि ओआरएस को बढ़ावा देना यूपी में दस्त के मामलों में कमी का प्रमुख कारण है। गौरतलब है कि ओआरएस के उपयोग को महत्वपूर्ण बनाने वाला तथ्य यह है कि यह रोटावायरस आंत संक्रमण के कारण होता है, जो दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों में आम है। जिसमे बच्चों को प्रभावी रूप से ओआरएस दिया जाता है।

ट्रकों की भीषण टक्कर, 3 लोग नीचे फंसे, फायर ब्रिगेड ने रेस्क्यू कर 2 लोगों को बाहर निकाला, एक की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में देवा रोड किसान पथ के पास तड़के दो ट्रक आपस में टकरा गए। इसमें चालक सहित तीन लोग ट्रकों के नीचे फंस गए। वहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर टीम ने रेस्क्यू कर तीनों को बाहर निकाला। एक युवक की मौत हो चुकी थी। एफएसओ राम कुमार रावत ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 4.40 पर सूचना मिली कि किसान पथ सोहरा देवा रोड ओवरब्रिज के पास दो ट्रक आपस में भिड़ गए हैं। कई व्यक्ति दबे और फंसे हुए हैं। सूचना पर फायर स्टेशन हजरतगंज से एमडीआरवी लेकर घटनास्थल पर चालक ओंकार नाथ राव पहुंचे जहां ट्रक में 3 लोग फंसे हुए थे। तत्काल रेस्क्यू कर चालक महिपाल सिंह निवासी निवाजपुर शाहजहांपुर और शैलेंद्र सिंह निवासी रोजा मिल शाहजहांपुर को जीवित निकालकर एम्बुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं चालक संदीप सिंह निवासी निवाजपुर शाहजहांपुर की पहिए के नीचे आ जाने से मौत हो गई। टीम ने उसे बाहर निकालकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने परिवार को सूचना देने के साथ शव को मॉर्च्युरी में रखवा दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, तीनों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। वे शाहजहांपुर से लखनऊ आ रहे हैं। वहीं, ट्रक मालिक उस्मान ने बताया कि यूपी21 एटी 9221 ट्रक मुरादाबाद से रांची परचून का सामान लेकर जा रहा था।

सम्पत्ति विवाद में बहन के सामने भाई की धारदार हथियार से हत्या

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रहीमाबाद थाना अंतर्गत बख्तौरीपुर मजरा ससपन गांव में सोमवार देर रात सम्पति विवाद में घर में घुसे दबंगों ने अमन दीक्षित (32) पर धारदार हथियार से वार कर दिया। युवक की चीख-सुनकर बचाने पहुंची बहन को दबंगों ने धक्का दे दिया और अमन का सिर ईंट से कूच कर उसे मौत के घाट उतार दिया। बहन के सामने भाई की निर्मम हत्या कर आरोपित वहां से भाग निकले। परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची ने घटनास्थल का मुआयना कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके बाद पिता सुशील दीक्षित की लिखित शिकायत पर पंकज, मंजू दीक्षित, नीरज दीक्षित, सपना दीक्षित, कल्पना दीक्षित और विमलेश दीक्षित पर हत्या की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। रहीमाबाद प्रभारी निरीक्षक आनंद द्विवेदी के मुताबिक, क्षेत्र के बख्तौरीपुर मजरा ससपन गांव निवासी सुशील दीक्षित पत्नी मनोरमा के संग रहते हैं। उनके दो बेटे अमन दीक्षित, गोलू दीक्षित और बेटी राधिका है। लिखित शिकायत में पीड़ित ने बताया कि एक साल से पुश्तैनी सम्पत्ति पर कब्जेदारी को लेकर गांव में रहने वाले रिश्तेदार पंकज दीक्षित और उनके परिवार से विवाद चल रहा है। हफ्ते भर पहले रिश्तेदारों ने उनके परिवार से मारपीट की थी, इसके बाद पीड़ित ने आरोपितों के खिलाफ रहीमाबाद थाने में लिखित शिकायत की थी। बावजूद इसके पुलिस ने कार्रवाई नहीं की थी। लिहाजा, मनबढ़ रिश्तेदारों का हौसला बुलंद हो गया। पिता सुशील दीक्षित ने बताया कि सोमवार रात करीब दो बजे वह अपने परिवारिक सदस्यों के संग घर पर सो रहे थे। इसी बीच कुछ लोगों ने उनके दरवाजे पर दस्तक दी। बेटी राधिका ने जैसे ही दरवाजा खोला वैसे ही रिश्तेदार हाथ में धारदार हथियार लेकर उनके घर में घुस आए और मारपीट करने लगे।

ऊर्ज़ा मंत्री की विपक्ष को नसीहत,पहले खुद देखो आईना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अपने विभाग के अधिकारियों की कारगुजारियों को उजागर कर चर्चा में आये उत्तर प्रदेश के ऊर्ज़ा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने अब विपक्ष पर निशाना साधते हुये कहा है कि बिजली को लेकर चिंता जाहिर कर रहे समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के नेताओं को नसीहत देने से पहले अपने गिरहबान पर झांक लेना चाहिये। श्री शर्मा ने मंगलवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर पोस्ट में लिखाह्न अगर आप दोनों (सपा और कांग्रेस) ने अपने लंबे शासनकाल में बिजली की एक चौथाई भी चिंता की होती तो भाजपा को विरासत में देश और प्रदेश की ऐसी खस्ताहाल व्यवस्था नहीं मिली होती। कांग्रेस का लंबा समयकाल सर्वत्र अंधकार और उसे मिटाने के लिए मात्र टिमटिमाते दिए का था। नीम के तेल का दिया और मिट्टी के तेल की ढेबरी में भारत की कई पीढ़ियों ने अपना जीवन बिता दिया। अंधेरे और अंधेरगर्दी से भरे समाजवादी पार्टी के चार-चार शासनकाल के बाद 2012-

17 में बिजली की औसत पीक डिमांड 13 हजार मेगावाट थी। जबकि पिछले तीन वर्षों की औसत मांग 30 हजार मेगावाट रही है। उन्होने लिखा कि आज यूपी लगातार तीन वर्षों से देश में सबसे ज्यादा विद्युत आपूर्ति करने वाला प्रदेश बना है। जो पहले निचले पायदान पर होता था। 2017 की अपेक्षा लगभग दो गुने से ज़्यादा उपभोक्ताओं को आज बिजली दी जा रही है। आपके समय के छोड़े गए लगभग 1.50 लाख मजरों का विद्युतीकरण अब किया गया है। 2017 में यूपी में बिजली का अपना खुद का अधिकतम उत्पादन 5160 मेगावाट था जो 2022 में बढ़कर 5820 मेगावाट हुआ और आज 9120 मेगावाट है, यानी कि आपका लगभग दोगुना। सभी स्रोतों से 2017 में यूपी में 11803 मेगावाट विद्युत उपलब्ध थी जो 2022 में बढ़ाकर 15395 मेगावाट हुई और आज 2025 में यह 20038 मेगावाट है यानी कि आपके समय की लगभग दो गुनी। श्री शर्मा ने कहा कि 2017 में बड़े उपकेंद्रों की कुल क्षमता 39000 एमवीए थी जो 2022 में बढ़कर एक लाख एमवीए हुई और आज 2025 में यह दो लाख एमवीए है, यानी कि आपके समय की लगभग छह गुनी हुई है। डिस्ट्रीब्यूशन क्षमता में भी अपार वृद्धि हुई है। उदाहरण के रूप में आपके समय के छोड़े हुए 1.59 लाख किमी जर्जर तार पिछले तीन वर्ष में बदले गए हैं। उन्होंने कहा कि आपके समय से लटकते-टूटते 29 लाख खंभों को नए खंभों से तीन साल में ही बदला गया है। आपके समय कुछ चुनिंदा जिलों और गांवों में बिजली आती थी। आज हर गांव, हर नगर, हर जिले, हर दुकान, हर प्रतिष्ठान और सब जगह पर बिजली दी जा रही है। सपा-कांग्रेस के समय बिजली के तार और खंभे थे ही कम। और जहाँ थे वहाँ बच्चों के झूला झूलने और गृहस्थों के लिए कपड़ा सुखाने के ही काम आते थे। अब उनमें बिजली निरंतर दौड़ती है। उस समय जब हफ़्ते दस दिन में बिजली जब आती थी तो अखबारों की सुर्खियां बनती थीं। आज हम 18 से 24 चौबीस घंटे हर जगह बिजली दे रहे हैं। हाँ उसमें कभी स्थानिक व्यवधान आता है तो भी बड़ी न्यूज़ बनती है। श्री शर्मा ने कहा कि सामान्य जनजीवन में आज बिजली की जरूरत ज्यादा है। हम इस बात को समझते हैं और इसे चुनौती मानकर व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाते हुए देश-दुनिया की सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था बनाना चाहते हैं। हमारे समय में बिजली का उत्पादन बढ़ा है, आपूर्ति बढ़ी है और उसे हर जगह पहुँचाने वाली अवसंरचना भी मजबूत हुई है। और भी बेहतरी लाने का यह कार्य निरंतर जारी है। अपने पोस्ट के अंत श्री शर्मा ने लिखा है कि, ईश्वर की कृपा से तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद व जनता-जनार्दन के आशीष से इस कार्य को और अच्छा करने में हम अवश्य सफल होंगे।

भाजपा विधायक ने डिंपल के अपमान को लेकर लगाये पोस्टर

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान पार्षद सुभाष यदुवंश ने समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव के कथित अपमान को लेकर लखनऊ में पोस्टर लगाये हैं। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पर लगे पोस्टर में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुये कहा गया है ह्न पत्नी के अपमान पर चुप रहने वाले उत्तर प्रदेश के बहन बेटियों की सुरक्षा क्या करेंगे। सुभाष ने कहा मौलाना की डिंपल यादव पर की गई टिप्पणी को लेकर अखिलेश जी की चुप्पी से मैं दुखी और स्तब्ध हूं । जो व्यक्ति अपनी पत्नी के अपमान पर नहीं बोल सकता वो बहू बेटियों के अपमान पर क्या बोलेगा। मैं इस बात पर भी हैरान हूं कि ये जवानी किसके नाम, अखिलेश भैया तेरे नाम का नारा देने वाले गैंग के लोग भी चुप हैं। क्या उनकी रगों का खून नहीं खौलता। ये बड़ा स्तब्ध करने वाला है। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही उत्तर प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा था कि हमें महिलाओं का अपमान स्वीकार नहीं चाहे वो किसी भी दल की हों।

चिड़ियाघर में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाघों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर मंगलवार को नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार और राज्य मंत्री केपी मलिक भी शामिल हुए। समारोह में वन मंत्री ने कहा कि यूपी में बाघों की संख्या में हुआ इजाफा है। 'बाघ मित्र' ऐप और बाघ संरक्षण मॉडल पर उत्तर प्रदेश में कैसे काम किया जा रहा है इस पर भी उन्होंने चर्चा की। वन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार, प्रमुख मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी भी मौजूद रहे। बाघ दिवस के मौके पर चिड़ियाघर परिसर में वॉकाथॉन, पोस्टर प्रदर्शनी, बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम और 'बाघ मित्रों' का सम्मान भी हुआ। वहीं, कार्यक्रम में स्कूली छात्रों, वनकर्मियों और आम नागरिकों की बड़ी भागीदारी रही। उपस्थित लोगों ने शपथ ली कि वे जंगलों और वन्यजीवों की रक्षा में सहयोग करेंगे। इस मौके पर वक्ताओं ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बाघों के

संरक्षण के लिए किए गए ठोस प्रयासों का जिक्र किया। वर्ष 2018 में जहां प्रदेश में 173 बाघ थे, वहीं 2022 में यह संख्या बढ़कर 222 हो गई। यह वृद्धि प्रदेश में चल रहे संरक्षण अभियानों की सफलता को दर्शाती है। प्रदेश के चार टाइगर रिजर्व दृ दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़ और रानीपुर में विशेष तौर पर बाघों की उपस्थिति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 2019 में शुरू किए गए बाघ मित्र कार्यक्रम और वर्ष 2023 में लॉन्च किए गए 'बाघ मित्र' मोबाइल ऐप की भी सराहना की गई। इस योजना के तहत पीलीभीत समेत अन्य क्षेत्रों में 120 से अधिक ग्रामीणों को प्रशिक्षण देकर वन्यजीव निगरानी तंत्र से जोड़ा गया है। बाघ मित्र ऐप के जरिए ग्रामीण बाघों की गतिविधियों की फोटो और लोकेशन तुरंत वन विभाग को भेजते हैं, जिससे समय पर कार्रवाई हो पाती है। बाघों की सुरक्षा के लिए वन विभाग एम-स्ट्राइप्स तकनीक आधारित पेट्रोलिंग प्रणाली का उपयोग कर रहा है। इसके तहत फील्ड स्टाफ ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग की निगरानी करता है। इसके साथ ही बाघों के रहवास स्थलों (हैबीटेट) को बेहतर बनाने के लिए वनों का पुनर्जीवन, जलस्रोतों की बहाली और घास-भूमि विकास जैसे कार्य प्राथमिकता पर हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उत्तर प्रदेश के बाघ संरक्षण मॉडल की प्रशंसा कर चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण-संतुलन, जैवविविधता और ग्रामीण सहभागिता के साथ जो मॉडल विकसित किया गया है, वह राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बन चुका है।

आजादी के बाद पहली बार बनी राजधानी की एक सड़क

लखनऊ। ऐशबाग मिलरोड करेहटा स्थित भारतीय स्टेट बैंक के बगल से जाने वाला मार्ग अंग्रेजों के समय से बिना आज तक जर्जर हाल मे चल रहा था जिसे किसी सरकार ने संज्ञान में नहीं लिया, आज भाजपा के साशन में इस सड़क का सीसी कार्य करा कर इसे नवजीवन प्रदान किया गया। रक्षामंत्री भारत सरकार राजनाथ सिंह की प्रेरणा से व पूर्व पार्षद गनेश कनौजिया के प्रयास से उक्त सड़क का निर्माण कार्य किया गया है। सड़क का उद्घाटन फीता काट कर व नारियल फोड़कर भाजपा लखनऊ महानगर के अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर महेन्द्र राजपूत, अशोक पांडे, योगेन्द्र पटेल, सत्यवान पांडे, उमा शंकर, जितेन्द्र कुमार, गौरव बाजपेई, प्रभुनाथ गुप्ता. लक्ष्मी नारायण गुप्ता , शिवेन्द मिश्रा. मनीष पांडे. मोहित गुप्ता. दिनेश धानुक विनय मिश्रा अनिल गुप्ता. शिवम् दीक्षित. राजन वर्मा. दिनेश कनौजिया विशाल शर्मा. शुभम् कुमार आदि प्रमुख लोग मौजूद रहे।

एआई से लैस होगा यूपी का सड़क सुरक्षा मॉडल, योगी सरकार की पहल को भारत सरकार की मंजूरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- नागरिकों को मिलेगी पारदर्शी, तेज और वैज्ञानिक परिवहन सेवाएं
- प्रौद्योगिकी के माध्यम से सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता
- डेटा संचालित शासन की ओर महत्वपूर्ण कदम

लखनऊ। भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) ने उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और बिग?डाटा एनालिटिक्स आधारित सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना को औपचारिक अनापत्ति (एनओसी) प्रदान कर दी है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह पहल मोटर यान अधिनियम 1988 व केंद्रीय मोटर यान नियमावली 1989 का पूर्ण पालन करेगी और केंद्र सरकार पर कोई वित्तीय भार नहीं डालेगी। योगी सरकार की इस पहल को देश का पहला एआई-संचालित सड़क सुरक्षा परीक्षण माना जा रहा है, जिसे सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी आईटी लिमिटेड व वैश्विक टेक-पार्टनर मेलोजिका द्वारा शून्य लागत आधार पर संचालित किया जाएगा। प्रदेश सरकार पहले ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर 'डेटा संचालित प्रशासन मॉडल' की आधारशिला रख चुकी है। इस परियोजना का प्रारम्भिक प्रूफ ऑफ कांसेप्ट चरण छह सप्ताह का होगा, जिसमें दुर्घटना रिपोर्ट, मौसम, वाहन टेलीमैटिक्स, ड्राइवर प्रोफाइल व सड़क ढाँचे से जुड़े डेटा को एकीकृत

कर एआई मॉडल तैयार किए जाएंगे। इसका उद्देश्य दुर्घटना के मूल कारणों की पहचान, ब्लैक स्पॉट की भविष्यवाणी और रीयल-टाइम पॉलिसी डैशबोर्ड तैयार करना है। परियोजना के सफल परीक्षण के बाद इसी एआई इंजन को सभी प्रमुख सेवाओं-फ़ेसलेस लाइसेंस-परमिट प्रणाली, प्रवर्तन आधुनिकीकरण, राजस्व वसूली, ई-चालान व वाहन सारथी प्लेटफॉर्म में चरणबद्ध रूप से विस्तारित किया जाएगा। जिससे उत्तर प्रदेश को तकनीकी नवाचार का अग्रणी राज्य बनाया जा सके। इससे नागरिकों को पारदर्शी, तेज और वैज्ञानिक परिवहन सेवाएं मिलेंगी। पायलट चरण से प्रेरित आंकड़ों और अनुभवों के आधार पर एआई आधारित विश्लेषणिक कोर को विभाग की अन्य डिजिटल सेवाओं में समाहित किया जाएगा। इसे फ़ेसलेस ड्राइविंग लाइसेंस व परमिट प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, जहाँ आवेदन स्वीकृति प्रिंटिंग की पूरी शृंखला स्वचालित निर्णय मॉडल से संचालित होगी। इसके बाद प्रवर्तन तंत्र में वास्तविकसमय धोखाधड़ी पहचान, वाहन स्थिति मानचित्रण और उल्लंघन?प्रवृत्ति के पूर्वानुमान जैसे मॉड्यूल जोड़कर चालान निर्गम और ऑन?स्पॉट कार्रवाई को अधिक वैज्ञानिक बनाया जाएगा। ए?आई इंजन राजस्व प्रशासन, ई चालान वसूली और वाहन सारथी डेटाबेस की पारस्परिक क्रियाविधि को सशक्त करेगा, जिससे करदेयता, शुल्क अदायगी और दस्तावेज़ वैधता पर स्वचालित अलर्ट एवं रिस्कस्कोर पैदा हो। इस अंतः एकीकरण से विभाग को समग्र डिजिटल चित्र-आय, उल्लंघन, दस्तावेज़ स्थिति एक ही डैशबोर्ड पर प्राप्त होगी, जो नीति निर्णय, संसाधन आवंटन और सार्वजनिक पारदर्शिता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा तथा उत्तर प्रदेश को परिवहन तकनीक के क्षेत्र में देश का अग्रदूत बनाने के लक्ष्य को साकार करेगा। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि कार्यान्वयन के लिए आईटीआई मेलोजिका टीम को विभागीय आईटी, प्रवर्तन व सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठों के साथ तत्काल कार्य प्रारंभ करने की अनुमति दी गई है। परियोजना पूरी होने पर विस्तृत परिणाम रिपोर्ट मोर्थ को प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही, डेटा गोपनीयता, विधिक अनुपालन और साइबर सुरक्षा मानकों का निरंतर ऑडिट किया जाएगा। इस परियोजना से उम्मीद है कि राज्य में दुर्घटनाओं में ठोस कमी, प्रवर्तन में वैज्ञानिकता और नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता आएगी। यह योगी सरकार की उस सोच का प्रमाण है, जिसमें प्रौद्योगिकी के माध्यम से सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने कहा कि यह पहल उत्तर प्रदेश को डेटा-संचालित शासन की अगली पंक्ति में ले जाएगी। ए-आई मॉडल को सड़क सुरक्षा से आगे बढ़ाकर हम इसे विभाग के सभी कोर कार्यों में शामिल करेंगे और यूपी को राष्ट्रीय पथ प्रदर्शक बनाएंगे।

रोडवेज का रोजगार मेला, 2 दिन में 204 संविदा चालकों की भर्ती होगी, 70 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया

लखनऊ। लखनऊ में रोडवेज का रोजगार मेला मंगलवार सुबह से अवध बस स्टेशन, कामता में शुरू हो चुका है। पहले दिन दोपहर तक लगभग 70 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण कराकर हाइट, वजन और ड्राइविंग टेस्ट की प्रक्रिया में हिस्सा लिया। मेले में 204 संविदा चालकों की भर्ती की जाएगी। यह रोजगार मेला 29 और 30 जुलाई 2025 तक चलेगा। निगम द्वारा योग्य ड्राइवरों की भर्ती अनुबंध के आधार पर की जा रही है। बस ड्राइवर बनने के इच्छुक उम्मीदवारों को मौके पर ही पंजीकरण, शारीरिक माप, दस्तावेज सत्यापन और ड्राइविंग टेस्ट के बाद चुना जाएगा। लखनऊ के विनय कुमार दुबे, जो पहली बार रोजगार मेले में शामिल हुए। उन्होंने बताया मैं हाईस्कूल फ़ेल हूं, मेरी हाइट 5 फुट 3 इंच है। इससे पहले मैं प्राइवेट बस चलाता था, लेकिन पहली बार मुझे एक सरकारी प्लेटफॉर्म पर अवसर मिल रहा है। यह रोजगार मेरे पूरे परिवार के लिए उम्मीद की किरण है। सुल्तानपुर से आए घनश्याम सिंह ने बताया मैंने 12वीं तक पढ़ाई की थी, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण पढ़ाई छोड़नी पड़ी। अब प्राइवेट वाहन चलाकर जीवन चलाता हूं। यहां आकर लग रहा है कि मेहनत का फल मिलने का समय आ गया है। लखनऊ के ही सचिन कुमार गौतम ने बताया- वह 12वीं पास हैं और प्राइवेट गाड़ियां चलाने का अनुभव रखते हैं। उन्होंने कहा- यह मेरा पहला रोजगार मेला है। मेरा हाइट माप, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हो चुका है। अगर चयन हो गया, तो यह मेरे करियर के लिए बड़ा मोड़ होगा। रोजगार मेले में उम्मीदवारों की ऊंचाई कम से कम 5 फुट 3 इंच, आयु 23 वर्ष 6 माह से अधिक और 59 साल से कम और कम से कम दो साल पुराना कॉमर्शियल वाहन ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला पत्रकार स्थायी समिति की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आज जिला पत्रकार स्थाई समिति की बैठक कलेक्ट्रेट कक्ष में संपन्न हुई जिसमें पत्रकार बंधुओ द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अपनी बातें रखी गई जिनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने हेतु जिलाधिकारी ने जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार को निर्देश दिया। पत्रकार बंधुओ ने सूचना संकुल के निर्माण का मुद्दा उठाया जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने जिला सूचना अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में सामुदायिक रेडियो को प्रोत्साहित किया जाए। पत्रकारों से निरंतर संवाद किया जाए। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने कहा की पत्रकार पुलिस और प्रशासन आपस में लगातार संवाद बनाए रखें तथा एक दूसरे का नियम संगत सहयोग करें। समिति की बैठक अत्यंत सौहार्द माहौल में संपन्न हुई।

इस अवसर पर अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वादों के निस्तारण में न किया जाये अनावश्यक विलम्ब

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे सीएम डैश बोर्ड (राजस्व) की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम डैश बोर्ड पर प्रगति की नियमित निगरानी की जाये। सूचनाओं को ससमय विभागीय पोर्टल पर फीड कराया जाये। कृषक दुर्घटना बीमा योजना का कोई प्रकरण लंबित न रखा जाये। 1 सितम्बर 2024 के बाद जारी मृत्यु प्रमाण पत्र की जाँच की जाये तथा पात्रों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना से लाभान्वित किया जाये। पात्रों को मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना का लाभ दिया जाये। वादों के निस्तारण में किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। स्टॉम्प विभाग को प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग व बिजली विभाग को आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कछौना में दो करोड़ की लागत से बनेगा नया किसान कल्याण केंद्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। विकासखंड कछौना में स्थित गौसगंज मार्ग पर राजकीय कृषि बीज भंडार का भवन जर्जर अवस्था में है। यह भवन कभी भी ढह सकता है। यहां पर दूर-दराज के किसान खाद बीज कृषि उपकरण व योजनाओं की जानकारी हेतु आते हैं। इमारत जर्जर होने के कारण आवश्यक अभिलेख पम्पलेट, बीज, कीटनाशक दवाइयां आदि बरसात में इमारत में पानी आने से खराब होते हैं। यहां पर कर्मचारी जान जोखिम में डालकर कार्य करते हैं। इस पूरे मामले को किसान संगठन ने प्रमुखता से क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा को अवगत कराया। विधायक रामपाल वर्मा ने इस ज्वलंत समस्या को शासन प्रशासन में प्रमुखता से रखा।

क्षेत्रीय विधायक रामपाल वर्मा के प्रयास से राजकीय कृषि बीज भण्डार के नव भवन हेतु दो करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत हो गई। इससे क्षेत्रीय किसानों को किसान कल्याण केंद्र मिलने से आधुनिक जानकारी, खाद, बीजए उपकरणए योजनाओं की सही जानकारी, गुणवत्ता की जांच आदि सुविधाएं मिलेगी। यह क्षेत्रीय किसानों के लिए एक सौगात है, जो किसानों के लिए वरदान साबित होगा। जिला कृषि अधिकारी ने बताया विधायक रामपाल वर्मा के पत्र पर आवश्यक कार्यवाई करते हुए शासन से दो करोड रुपए की धनराशि स्वीकृत हो गई है। जिसका निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो जाएगा। किसानों को जानकारीए बीज खाद जैसी सेवाएं एक ही छत के नीचे मिल जाएगी। कई दशक से जर्जर भवन के निर्माण की मांग किसान संगठन लगातार कर रहे थे। नया किसान कल्याण केंद्र बनने से ग्रामीण कृषि व्यवस्था को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। ग्रामीण किसानों के जीवन में समृद्धि एक मजबूत आधार बनेगा।

गंगा एक्सप्रेसवे के पास 337 एकड़ में IMLC का भूमि अधिग्रहण पूरा

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गंगा एक्सप्रेसवे के समीप औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन ने कदम बढ़ा दिए हैं। 337 एकड़ क्षेत्रफल में फैले एकीकृत विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (IMLC) के लिए 304 एकड़ भूमि का पुनर्निर्माण कार्य संपन्न हो चुका है। अब प्रशासन निवेशकों से संपर्क कर उन्हें आमंत्रित कर रहा है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने ई-निविदा के माध्यम से औद्योगिक प्लॉटों का आवंटन शुरू कर दिया है। नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी के अनुसार, अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए जिला उद्योग बंधु की बैठक भी आयोजित की गई है। IMLC में 1200 से 5000 वर्ग मीटर तक के भूखंडों का आवंटन प्रारंभ हो गया है। उपायुक्त उद्योग हर्ष कुमार सिंह ने बताया कि यहां निवेश के लिए अनुकूल वातावरण है। अन्य औद्योगिक क्षेत्रों की तुलना में यहां बड़े भूखंड उपलब्ध हैं। इससे उद्योगों के साथ-साथ वेयरहाउस निर्माण के लिए भी पर्याप्त स्थान मिलेगा। सरसई, इनायतपुर, सेमरझाला और शाहजहांपुर के मानगढ़ गांव तक फैले इस क्लस्टर से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे क्षेत्र का आर्थिक परिदृश्य बदलेगा। यह एकीकृत विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (IMLC) देश और दुनिया से सीधे जुड़ा हुआ है। गंगा एक्सप्रेसवे का कार्य अंतिम चरण में है। इसके पूरा होते ही IMLC का सीधा संपर्क मेरठ से प्रयागराज तक हो जाएगा। साथ ही यह हरदोई-इटावा प्रस्तावित एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से भी जुड़ जाएगा। तीन बड़े एक्सप्रेसवे से जुड़ने के बाद हरदोई क्षेत्र में भारी निवेश की संभावनाएं और अधिक बढ़ जाएंगी।

फ़ाइलेरिया रोगियों को दिया गया एमएमडीपी प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। राष्ट्रीय फ़ाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आज अहिरोरी ब्लाक के नीर मे आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर 26 फ़ाइलेरिया रोगियों को रुग्णता प्रबन्धन एवं दिव्यान्गता उपचार का प्रशिक्षण दिया गया तथा एमएमडीपी किट वितरित की गयी। इस मौके पर फाइलेरिया निरीक्षक अरविंद कुमार चौधरी ने उपस्थित फ़ाइलेरिया रोगियों को किट वितरित करते हुए कहा कि यह किट उनके फ़ाइलेरिया प्रभावित अंगों की देखभाल के लिए दी गयी है जिसमें तौलिया, मग, साबुन, बाल्टी तब और एंटीसेप्टिक क्रीम है। फ़ाइलेरिया अंगों की देखभाल कैसी करनी है. प्रदर्शन करके दिखाया इसके साथ ही उन्होंने कहा नियमित रूप से व्यायाम करने से अंगों की सूजन नियंत्रित रहती है। उन्होंने व्यायाम करके भी दिखाया। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) आकांक्षा पाल ने कहा कि फ़ाइलेरिया लाइलाज बीमारी है जो कि मच्छर के काटने से होती है। इससे बचने का उपाय है दृ मच्छर के काटने से बचना और लगातार तीन साल तक साल में एक बार फ़ाइलेरियारोधी दवाओं का सेवन करना। जनपद में 10 से 28 अगस्त तक सर्वजन दवा सेवन (आईडीए) अभियान चलेगा जिसके तहत फ़ाइलेरियारोधी दवाएं आइवरमेक्टिन, डाईइथाइल कार्बामजीन और एल्बेन्डाजोल आशा कार्यकर्ता घर घर जाकर खिलायेंगी। सभी लोग दवाओं का सेवन करें और परिवार के सदस्यों व घर के आस पड़ोस के लोगों भी को दवा खिलाने में सहयोग करें क्योंकि यह बीमारी संक्रामक है । मच्छर के काटने के पांच से 15 साल बाद इसके लक्षण दिखाई देते हैं और व्यक्ति अनजाने में संक्रमण फैलाता रहता है। सीएचओ ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफोर्म बना हुआ है जिसके सदस्य प्रधान, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, कोटेदार, स्वयं सहयता समूह के सदस्य और वह स्वयं भी है। यह प्लेटफोर्म लोगों को फ़ाइलेरिया के कारण, बचाव और उपचार के बारे में जागरूक कर रहा है। इस अभियान में भी वह सक्रियता के साथ लोगों को फ़ाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करने के लिए प्रेरित करे और कोशिश करे कि क्षेत्र की कष्ट प्रतिशत लक्षित जनसंख्या दवा का सेवन करे और क्षेत्र फ़ाइलेरिया मुक्त हो। इस कार्यक्रम में सहायक शोध अधिकारी घनश्याम वर्मा, सर्वेश पाण्डेय, मुनीष फातिमा आशा कार्यकर्ता रंजना सिंह, छोटी बिछिया, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता मुस्कान, फ़ाइलेरिया रोगी सहित अन्य ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

सर्राफके यहां चोरी के मामले में तीसरा आरोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली शहर थाना क्षेत्र के सर्राफके यहां नौकर द्वारा की गई सोने की बड़ी चोरी के मामले में पुलिस ने जांच में प्रकाश में आए तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस 28 मई को दो आरोपियों को 36 लाख रुपए और साढ़े नौ सौ ग्राम सोने सहित गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। प्राप्त विवरण में 23 मई को शिवम कपूर पुत्र श्री आलोक कपूर निवासी सिनेमा रोड़ द्वारा थाना कोतवाली शहर पर तहरीर दी गई कि बालकृष्ण पाण्डेय पुत्र ईश्वरदीन पाण्डेय निवासी सराय थोक पश्चिमी उसकी दुकान पर काम करता था। जिसके द्वारा दुकान में रखे आभूषण चोरी कर लिये गये हैं। वादी की तहरीर के आधार पर कोतवाली शहर पुलिस द्वारा नामजद बालकृष्ण पाण्डेय के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना को0 शहर के प्रभारी निरीक्षक संजय त्यागी और पुलिस बल द्वारा उपरोक्त अभियोग में प्रकाश में आये राजीव कुमार पुत्र स्व0 नानकचन्द्र निवासी कौशलपुरी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। 28 मई को थाना को0 शहर पुलिस द्वारा उपरोक्त अभियोग से सम्बन्धित दो अभियुक्तों को 36 लाख 62 हजार रुपये नगदी व 965.51 ग्राम सोने के आभूषण व सोने के टुकडे सहित गिरफ्तार कर न्यायालय अभिरक्षा में भेजा जा चुका है।

पूर्व चेयरमैन के पीए को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर किया घायल

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मल्लावां थाना क्षेत्र में पूर्व चेयरमैन के पर्सनल एसिस्टेंस को सोमवार की रात घर जाते समय अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर घायल कर दिया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच कर उसके खुलासे के लिए टीमों को लगाया है।फोरेसिक टीम ने भी घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए हैं। प्राप्त विवरण में मल्लावा के पूर्व चेयरमैन विशाल जायसवाल के पर्सनल असिस्टेंट ताजुद्दीन उर्फशानू सोमवार की रात करीब दस बजे मल्लावां से घर जा रहे थे।सुमेरपुर के निकट अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें चलती बाइक पर उनके पीछे से गर्दन में गोली मार दी।जिसमे वह घायल हो गया।घायलावस्था में भी वह हिम्मत करके बाइक चलाकर गायत्री पेट्रोल पंप तक ले गए।वहां से उन्होंने अपने साथियों को सूचित किया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस बल के साथ घटना स्थल का निरीक्षण किया है।फोरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सीएचसी भेजा जहां से हालत गंभीर होने पर उसे लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सीओ बिलग्राम रवि प्रकाश ने बताया घटना के खुलासे के लिए कई टीमें लगाई गई हैं।जल्द ही घटना का अनावरण किया जाएगा।

दिव्यांग बच्चो की पेरेंट्स काउंसलिंग का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। विकासखंड माधौगंज में दिव्यांग बच्चों की पेरेंट्स मेडिकल असेसमेंट कैंप के बारे में संपूर्ण जानकारी दी गई व शिक्षक राम सिंह के द्वारा मेजरमेंट कैंप के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा विशेष शिक्षिका स्वर्ण शिखा ने स्टाइपेंड वह एस्कॉर्ट के के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी ने दिव्यांग बच्चों को माल्यार्पण कर उनका उत्साहवर्धन किया पेरेंट्स काउंसलिंग का समापन खंड शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न कराई गई। इस अवसर पर निखिल सिंह, संजय सिंह मौजूद रहे। काउंसलिंग का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी गिरिजेश की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक संपन्न कराई गई जिसमें विशेष शिक्षक निगम सिंह

पाली-रूपापुर मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक कांवड़िया हुआ घायल, हालत गंभीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पाली (हरदोई)। पाली-रूपापुर मार्ग पर हरियाली पेट्रोल पंप के पास बाइक की टक्कर से एक कांवड़िया घायल हो गयाए एम्बुलेंस से उसे पाली पीएचसी ले जाया गयाए जहां से गंभीर हालत होने के कारण हायर सेंटर रेफर किया गया। शाहजहांपुर के सेहारामऊ दक्षिणी क्षेत्र निवासी ग्रामीण ट्रैक्टर ट्राली से पांचाल घाट से गंगाजल लेकर गोला गोकर्णनाथ के शिव मंदिर जा रहे थेए तभी वह रास्ते में रुके और सड़क पार करते समय बाइक ने एक कांवड़िए को टक्कर मार दी।

जानकारी के अनुसार जनपद शाहजहांपुर के सेहारामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के ऐंठा गांव के करीब 40 ग्रामीण सोमवार को ट्रैक्टर ट्राली पर सवार होकर फर्रुखाबाद के पांचाल घाट से कावड़ लेकर गोला गोकर्णनाथ शिव मंदिर लखीमपुर खीरी के लिए जा रहे थेए जिसमें हेमराज पुत्र विंदर भी शामिल थे। रास्ते में पाली.रूपापुर मार्ग पर हरियाली पेट्रोल पंप के पास सभी कांवड़िए जलपान के लिए रुकेए इस दौरान सड़क पार करते समय हेमराज को एक तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए, हेमराज को एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाली ले जाया गया जहां से उन्हें जिला अस्पताल हरदोई रेफर किया गया। लेकिन हेमराज को उनके साथी एवं परिजन शाहजहांपुर के जिला अस्पताल ले गए, जहां उनका उपचार चल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि हेमराज को सिर में गंभीर चोट आई हैए और कान से खून बह रहा है जिससे वह बेसुध हैं। वहीं दुर्घटना को लेकर थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार ने कहा कि प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै नन्ही पत्नी नन्हक्कू निवासी कुमेदानखेड़ा मजरा व पोस्ट भटौली ब्लॉक बेहन्दर तहसील संडीला ज़िला हरदोई की हूँ। मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम सीता देवी और पति का नाम नन्हके अंकित है जो त्रुटिपूर्ण है मेरा सही नाम नन्ही व मेरे पति का नाम नन्हक्कू है जो की सही हैजो कि आधार कार्ड पर सही किया जाए।

नन्ही पत्नी नन्हक्कू
निवासी कुमेदानखेड़ा मजरा व पोस्ट भटौली ब्लॉक
बेहन्दर तहसील संडीला ज़िला हरदोई

आवारा सांड से टकराई बाइक, अध्यापक की हुई मौत

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बाइक से घर लौट रहे अध्यापक की बाइक सांड से टकरा गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। जानकारी के अनुसार हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के कठेठा गांव निवासी अवधेश राजपूत (32) नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुर्रा थाना सांडी में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थे। सोमवार को हरदोई के एक नर्सिंग होम में भर्ती भतीजे को इलाज के लिए पैसे देने गए थे। वापस लौटते समय उनकी बाइक सदर कोतवाली क्षेत्र के ककेड़ी गांव के पास एक आवारा सांड से टकरा गई। हादसे में अध्यापक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से लखनऊ ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया था। ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक पांच भाइयों में सबसे बड़ा था।घर में पत्नी सुमन के अलावा एक बेटा तथा एक बेटी है।हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

मृतक की फाइल फोटो

ट्रैक्टर ट्राली से गिरकर कांवड़िए की हुई मौत

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ट्रैक्टर ट्राली से गिरकर एक कावड़िया की मौत हो गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के अन्ना गांव निवासी युवक अमित पुत्र बाबूराम तीन दिन पहले गांव से एक ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर गोला गोकर्ण नाथ शिव मंदिर पर जलाभिषेक के लिए कावड़ के साथ गया था। सोमवार की रात करीब 9 बजे हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के करता गांव के पास युवक ट्रैक्टर ट्राली से नीचे गिरकर मौत हो गई है। मृतक चार भाई छह बहनों में सबसे छोटा तथा विवाहित था। घर में पत्नी विनीता के अलावा एक पुत्र है। तीन साल पहले शादी हुई थी। दिल्ली में रहकर स्पोर्ट्स कंपनी में प्राइवेट जॉब करता था। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों के मुताबिक ट्रैक्टर ट्राली में डीजे लगाकर कावड़िया नाच कूद रहे थे। इसमें कुछ लड़के शराब के नशे में थे। जो हुड़दंग कर रहे थे। इस दौरान अमित कहीं पर छूट गया और ट्रैक्टर ट्रॉली गांव पहुंच गया। युवक घर नहीं पहुंचा तो वापस आकर परिजनों ने देखा उसका शव करता गांव के पास सड़क के किनारे पडा था। प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार गौतम ने बताया शव पीएम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

फाइल फोटो मृतक अमित

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौके पर ही दर्दनाक मौत

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। संडीला रोड पर बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेजा है। कासिमपुर थाना क्षेत्र के गांव धतिघड़ा कहली निवासी सोनू (35) पुत्र ब्रजेश ऊर्फ लालता कई वर्षो से कस्बे के स्टेशन रोड पर घर बनाकर परिवार सहित रहते थे। सोमवार की दोपहर करीब ढाई बजे वह किसी काम से बाइक से गांव जा रहे थे। मल्लावां संडीला रोड पर सईनदी के पास उनकी बाइक मे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। मौत की खबर मिलते ही परिजनों मे कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी पूनम का रोरो कर बुरा हाल है। मृतक के एक 7 वर्ष का बेटा है। वह स्टेशन रोड गुमटी मे सामान बेंचता था। थाना प्रभारी बालेन्द्र मिश्रा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

पानी के गड्ढे में डूब कर 13 वर्षीय किशोर की मौत

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के हिंदू खेड़ा गांव में 13 वर्षीय कार्तिक सिंह पुत्र रामवीर सिंह अपने ननिहाल हिंदू खेड़ा में रहता था। दोपहर बाद अपने तीनों अन्य साथियों के साथ नहाने के लिए गांव के उत्तर दिशा में भट्टे के लिए उपयोग में लाई गई मिट्टी के द्वारा तालाब नुमा गड्ढे में नहाने के लिए गया था। जहां गहराई का अनुमान न लगा पाने के कारण गहरे पानी में चला गया जिसमे उसकी डूब कर मौत हो गई। डूब रहे किशोर को बचाने के चक्कर में एक अन्य साथी भी डूबने लगा जिसे बाद में बचा लिया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उपचार कराया जा रहा है।

किशोर मूलत: बम्हना, नवाबगंज, जिला फर्रुखाबाद का रहने वाला था। किशोर के मौत की खबर सुनकर परिजनों व् रिश्तेदारों का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव वाले इस प्रकार लापरवाही पूर्वक खोदे गए गड्ढे का विरोध भी कर रहे हैं क्योंकि क्षेत्र में इससे पहले भी कई ऐसे हादसे हो चुके हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को साथ ले आई तथा उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया। मौके पर पहुंची राजस्व विभाग की टीम में कानून गो शिवरूप द्विवेदी व लेखपाल अनूप शुक्ला उपस्थित रहे, तथा सरकार द्वारा दी जाने वाली हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

महिला ने लगाया दबंगों पर मकान दुकान कब्जा करने का आरोप

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती निवासी महिला ने विपक्षियों पर मकान दुकान पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। इस प्रकरण में बजरंग दल की नगर इकाई ने भी नवागत एसडीएम को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग की है। पीड़िता रानी पत्नी रामबेटा निवासी नई बस्ती के अनुसार उसके पति की मृत्यु 9 दिसंबर 21 को हो गई थी। मोहल्ले के देवेश सिंह पुत्र राजकुमार सिंह अपने पुत्रों मोहित, मानवेंद्र, सुशील और दो अज्ञात लोगों के साथ मिलकर 5 जुलाई को उसे व उसके नाबालिग पुत्रों लंकुश और लवकुश को बंधक बनाकर काफी मारा पीटा और तीन दिन तक बंधक बनाए रखा।इस बीच विपक्षियों ने उसके पैतृक मकान दुकान और मंदिर पर कब्जा करने की नियत से निर्माण कार्य भी करवाया। 8 जुलाई को विपक्षियों ने उसे कहीं कार्यवाही न करने की शर्त पर रिहा किया। दबंग विपक्षियों द्वारा किए गए इस कृत्य को मोहल्ले वासियों ने देखा है। इस प्रकरण पर मंगलवार को नवागत एसडीएम अंकित तिवारी को बजरंग दल की नगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने अमन हिंदू के नेतृत्व में एक ज्ञापन देकर ठडेश्वरी बाबा मंदिर की जमीन को कब्जा मुक्त करवाकर मंदिर पर पुलिस के रात्रि पहरे की मांग की है।

कांवड़ यात्रा में शामिल तीन युवक पिकप की टक्कर से हुए घायल

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सांडी थाना क्षेत्र में मंगलवार को जलाभिषेक के लिए जल लेकर आ रही विशाल कांवड़ यात्रा में शामिल तीन युवकों को एक पिकप चालक ने टक्कर मार दी। सूचना पर पुलिस ने पिकप को कब्जे में लेकर घायलों को इलाज के लिए भिजवाया है। प्राप्त विवरण में सांडी कस्बे से दो विशाल कांवड़ यात्राएं सोमवार की दोपहर राजघाट गईं थीं।जो मंगलवार को जल लेकर वापस आ रहे थे।कांवड़ यात्रा में शामिल सांडी कस्बे के मोहल्ला सरायमुल्ला निवासी सचिन पुत्र विजयए अनुज और अनुराग पुत्रगण दिनेश पिकप की टक्कर लगने से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने पिकप को कब्जे में लेकर घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी सांडी भिजवाया जहां से गंभीर हालत में तीनों युवकों को हरदोई जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पिकप चालक मौका पाकर फरार हो गया।

एक रात में तीन घरों में नकब लगा कर हुई चोरी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। हरियांवा थाना क्षेत्र के ग्राम मुरवा में सोमवार मंगलवार की रात बेखौफ चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाकर नकब लगाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर जल्द खुलासे का दावा किया है। फोरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए हैं। बेखौफ चोरों ने पेशे से किसान सर्वेश के घर में पीछे की दीवार में नकब लगाकर कमरे में रखे एक बोरी बर्तन, एक जोड़ी कुंडल, दो जोड़ी चांदी की पायल कुछ कपड़े और नगदी चोरी कर ली। घटना के वक्त मकान स्वामी परिवार सहित बरामदे में सो रहा था।उसके बाद चोरों ने आजाद के मकान की दीवार काट कर कमरे में रखे एक जोड़ी कुंडलएपायल और तीन हजार रुपए की नगदी पर हाथ साफ कर दिया। फिर चोर गांव के बाहर बने सोबरन के मकान में सेंध लगाकर कमरे में घुसे लेकिन अंधेरे में किसी लोहे की वस्तु से टकराने में हुई आवाज पर भवन स्वामी के जाग जाने पर चोर बिना कुछ ले जाए फरार हो गए। सूचना पर थाना प्रभारी वीर बहादुर ने पुलिस बल के साथ गांव जाकर घटना की जानकारी प्राप्त की। फोरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल से आवश्यक सबूत एकत्र किए हैं। हरियांवा पुलिस ने चोरी की वारदातों का जल्द खुलासा करने का दावा किया है।

चोरों ने नकब लगाकर की लाखों की चोरी

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कपूरपुर बहोरन गांव निवासी गुड्डी के अनुसार सोमवार मंगलवार की मध्य रात्रि में 2:00 बजे के आसपास चोरों ने उसके घर में नकब लगाकर एक लाख की नगदी सहित जेवर और सामान चोरी कर लिया। गुड्डी जब सुबह उठी तो घर का सारा सामान बिखरा

हुआ देखकर रोने लगी। उसने चेक किया तो भैंस बेच कर मां का इलाज करने के लिए रखी गई 20,000 की नकदी एवं यूकेलिप्टस के पेड़ बेच कर रखी गए नकदी सहित काफी जेवर और सामान गायब था। पीड़ित ने बेहटा गोकुल थाने में तहरीर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने जांच पड़ताल की है। प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने बताया जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

अंकित तिवारी बनाए गए एसडीएम शाहाबाद, लिया चार्ज

राष्ट्रीय प्रस्तावना

नवागत एसडीएम अंकित तिवारी

शाहाबाद (हरदोई)। तहसील मुख्यालय पर मंगलवार को शाम 3:30 बजे नवागत एसडीएम अंकित तिवारी ने पदभार ग्रहण कर लिया। तहसील मुख्यालय पर एसडीएम तान्या सिंह के तबादला हो जाने के बाद अंकित तिवारी को शाहाबाद का एसडीएम बनाया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले एसडीएम अंकित तिवारी ने स्टाफ से परिचय किया और एक बैठक करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसडीएम अंकित तिवारी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से सरकार की मंशा के अनुरूप और पारदर्शी कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

इश्तहार

न्यायालय श्रीमान् सिविल जज (सी0डि0) पश्चिमी महोदय हरदोई

श्रीमान्

1. श्रीमती शिवप्यारी पत्नी स्व0 राम अवतार, निवासी- ऊँचा थोक साण्डी रोड, जिला-हरदोई।

बनाम

1. जायदाद मृतक स्व0 राम अवतार पुत्र भगवानदास, निवासी- ऊँचा थोक साण्डी रोड, जिला-हरदोई।

जायदाद **मृतक स्व0 राम अवतार** विपक्षीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 इण्डियन सक्सेशन एक्ट

एम.सी.एल. मुकदमा नम्बर 103/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि **श्रीमती शिवप्यारी** ने प्राप्त कर उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है और उक्त प्रार्थन पत्र की सुनवाई हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनाँक-20.08.2025 नियत है।

अतः जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बावत जायदाद **मृतक राम अवतार** मृतक की बावत जो कुछ उजर हो इस न्यायालय में दिनाँक -20.08.2025 प्रस्तुत करें, अन्यथा वाद में कोई उजर नहीं सुना जायेगा।

आज बतारीख 22.07.2025 मेरे दस्तखत व मुहर अदालत से जारी किया गया।

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0), हरदोई।

सोने से सजे मंदिर और जर्जर स्कूल, देश का कड़वा सच

राजस्थान के झालावाड़ जिले के एक सरकारी स्कूल की जर्जर इमारत की छत गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई और कम से कम 24 बच्चे घायल हैं। सभी बच्चे 6 से 14 वर्ष की आयु के हैं और अनुसूचित जाति, जनजाति के हैं और इतने गरीब घरों से हैं कि उनके अंतिम संस्कार के लिए ढंग से लकड़ियों की व्यवस्था भी न हो सकी और पुराने टायरों को जलाकर चिता में आग लगाई गई। जाहिर है आज के वक्त में गांव के सरकारी स्कूल में केवल वही बच्चे पढ़ने जाते हैं, जिनके मां-बाप के पास निजी स्कूलों का खर्च उठाने की हैसियत नहीं होती। यूं तो निजी स्कूलों में भी पढ़ाई का स्तर सवालों के घेरे में ही है, लेकिन कम से कम उनकी इमारतें इतनी असुरक्षित नहीं रहती कि कभी भी दीवार या छत भरभरा कर गिर जाए। निजी स्कूलों के भी अब कई स्तर हैं, सबसे निचले स्तर के स्कू ल कस्बों या झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों में मिलेंगे, जहां अंग्रेजी के नाम पर ही अभिभावकों को लुभाया जाता है। फिर उनसे ऊपर के स्तर वाले स्कूल होते हैं, जहां निम्न मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों को सामाजिक प्रतिष्ठा की खातिर भेजते हैं। साथ में दबी हसरत भी रहती है कि कभी इनका सामाजिक दायरा उच्च मध्यमवर्गीय हो जाएगा। और आखिर में आते हैं मध्यमवर्गीय, उच्च मध्यमवर्गीय स्तरों के लिए पांच-सात सितारा सुविधाओं वाले स्कूल। जिसे आम बोलचाल में क्रीमी लेयर वाला कहा जाता है। यहां की बसों से लेकर कक्षाओं तक में एयर कंडीशनर लगे होते हैं, स्कूलों के भीतर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बने रहते हैं, इनके कैंटीन में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पाद मिलते हैं और शौचालय से लेकर पुस्तकालय, सांस्कृतिक भवन, खेलने के मैदान सब की उच्चस्तरीय सुविधाएं मिलती हैं। बदले में एक-एक बच्चे से महीने की लाखों की फीस वसूली जाती है। उच्च मध्यमवर्ग इसे आराम से भरता है और मध्यमवर्ग अपनी जरूरतों को काटकर या फिर कमाई को बढ़ाने के लिए गलत तरीके अपना कर फीस का इंतजाम करता है। भारतीय समाज में शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त यह वर्गभेद अब इतना सामान्य मान लिया गया है कि इस पर किसी के माथे पर शिकन नहीं आती कि हमने अपने भविष्य के नागरिकों को किस चक्रव्यूह में फंसा दिया है। ऐसे समाज में अगर सात बच्चों की अकाल मौत पर भी कोई व्यापक प्रतिक्रिया न हो, तो उसमें क्या आश्चर्य करना। समाज का यूं आत्मकेन्द्रित होना ही सरकार को इस बात की सुविधा देता है कि वह अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ ले और पूरे वक्त चुनाव प्रचार की मानसिकता से काम करे। अखबारों और टीवी पर रोजाना तस्वीरें आती हैं जिनमें प्रधानमंत्री किसी न किसी चीज का उद्घाटन करते, शिलान्यास करते दिखाई देते हैं। नौबत ऐसी आ चुकी है कि अब ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से लेकर सफाई कर्मियों को झाड़ू बांटने तक हरेक काम को प्रचार आयोजन की तरह किया जाता है। जबकि इन्हीं कामों के लिए प्रशासन बना है, अधिकारियों-कर्मचारियों को काम करने की ही तनख्वाह मिलती है। इसमें न किसी प्रचार का काम है, न नेताओं-मंत्रियों का। प्रशासन से काम करवाने के लिए शासन की बागडोर जिनके६ हाथों में है, उन्हें भी काम करना होगा। लेकिन अब काम से किसी को कोई मतलब नहीं दिखता, केवल फोटो खिंचवाने से मतलब है। इसलिए झालावाड़ में स्कूल की छत गिरने से मृत बच्चों के परिजनों से मिलते नेताओं की तस्वीरें हैं, अस्पताल जाकर घायल बच्चों से मिलते नेताओं की तस्वीरें हैं, लेकिन इस एक घटना से सबक लेकर अब राज्य के बाकी सरकारी स्कूलों का निरीक्षण कर सुधार करवाते नेताओं की तस्वीरें नहीं हैं। क्योंकि सरकार को पता है कि जनता भी हमसे तभी जवाब मांगेगी, जब कोई बड़ी घटना हो जाएगी। दो-चार दिन के हल्ले के बाद सवाल उठने भी बंद हो जाएंगे और जनता फिर किसी नए तमाशे में उलझा दी जाएगी।

सभी बच्चे 6 से 14 वर्ष की आयु के हैं और अनुसूचित जाति, जनजाति के हैं और इतने गरीब घरों से हैं कि उनके अंतिम संस्कार के लिए ढंग से लकड़ियों की व्यवस्था भी न हो सकी और पुराने टायरों को जलाकर चिता में आग लगाई गई। जाहिर है आज के वक्त में गांव के सरकारी स्कूल में केवल वही बच्चे पढ़ने जाते हैं, जिनके मां-बाप के पास निजी स्कूलों का खर्च उठाने की हैसियत नहीं होती। यूं तो निजी स्कूलों में भी पढ़ाई का स्तर सवालों के घेरे में ही है, लेकिन कम से कम उनकी इमारतें इतनी असुरक्षित नहीं रहती कि कभी भी दीवार या छत भरभरा कर गिर जाए।

हरित ऊर्ज़ा की ओर अग्रसर भारतीय रेलवे, हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन के सफल परीक्षण से एक नया कीर्तिमान और जुड़ा

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा साझा की गई जानकारी बता रही है कि चेन्नई में विकसित इस 'ड्राइविंग पावर कार' ने हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के सफल प्रयोग के साथ एक नया कीर्तिमान रचा है। यह तकनीक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रतिक्रिया से बिजली उत्पन्न करती है, जिससे उत्सर्जन के रूप में सिर्फ जलवाष्प निकलता है – कोई कार्बन, कोई धुआं नहीं। यह न केवल प्रदूषण रहित है, बल्कि शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छ परिवहन का श्रेष्ठ समाधान भी बनकर उभरा है। वस्तुतः भारत सरकार की 'विरासत के लिए हाइड्रोजन' योजना के तहत भारतीय रेलवे ने 35 हाइड्रोजन-संचालित ट्रेनों का लक्ष्य तय किया है।

जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और ऊर्ज़ा संकट जैसे अस्तित्व के सवालों से दो-चार है, भारत की जीवनरेखा कही जाने वाली भारतीय रेलवे हरित ऊर्ज़ा के क्षेत्र में न सिर्फ साहसिक कदम उठा रही है, बल्कि तकनीकी नवाचारों और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के सामंजस्य का एक अनुकरणीय मॉडल भी प्रस्तुत कर रही है। हाल ही में चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) में भारत की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन के सफल परीक्षण ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार और नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा साझा की गई जानकारी बता रही है कि चेन्नई में विकसित इस 'ड्राइविंग पावर कार' ने हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के सफल प्रयोग के साथ एक नया कीर्तिमान रचा है। यह तकनीक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रतिक्रिया से बिजली उत्पन्न करती है, जिससे उत्सर्जन के रूप में सिर्फ जलवाष्प निकलता है – कोई कार्बन, कोई धुआं नहीं। यह न केवल प्रदूषण रहित है, बल्कि शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छ परिवहन का श्रेष्ठ समाधान भी बनकर उभरा है। वस्तुतः भारत सरकार की 'विरासत के लिए हाइड्रोजन' योजना के तहत भारतीय रेलवे ने 35 हाइड्रोजन-संचालित ट्रेनों का लक्ष्य तय किया है। उत्तर रेलवे के जींद-सोनीपत खंड पर एक डीज़ल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट को हाइड्रोजन ईंधन से पुनर्निर्मित करने का कार्य प्रगति पर है। ?111.83 करोड़ की लागत से प्रारंभ इस पायलट परियोजना के तहत हर ट्रेन की अनुमानित लागत ?80 करोड़ होगी। भले ही प्रारंभिक लागत अधिक हो, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह किफायती, आत्मनिर्भर और पर्यावरण-मित्र ऊर्ज़ा समाधान बन सकती है। हरित ऊर्ज़ा की दिशा में यह कदम तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब इसे भारतीय रेलवे की अन्य उपलब्धियों से जोड़ा जाए। जम्मू-कश्मीर के चिनाब नदी पर बना चिनाब रेल पुल जो 359 मीटर की ऊंचाई के साथ एफिल टॉवर से भी ऊँचा है। आज यह पुल भारत की इंजीनियरिंग शक्ति और ऊंचाइयों को छूने की महत्वाकांक्षा का प्रतीक बन चुका है। यह पुल भीषण भूकंप और 260 किमी/घंटा की हवाओं को झेलने में सक्षम है और कश्मीर को रेल मार्ग से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। इसी तरह से आज वंदे भारत एक्सप्रेस, जिसे भारत की तेज़ रफ्तार पहचान के रूप में देखा जा रहा है, पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से निर्मित है। यह 160 किमी/घंटा की गति से चलने में सक्षम है और इसमें जीपीएस-आधारित सूचना प्रणाली, स्वचालित दरवाजे, और बायो-वैक्यूम शौचालय जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान का यह उत्कृष्ट उदाहरण है। भारतीय रेलवे ने सौर ऊर्ज़ा के क्षेत्र में भी प्रयोग शुरू कर दिए हैं। कई कोचों में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे डीज़ल की खपत में भारी कमी आई है। भारत में गुजरात का गांधीधाम स्टेशन, इंदौर, गुवाहाटी, और मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जैसे कई प्रमुख स्टेशन पूरी तरह या आंशिक रूप से सौर ऊर्ज़ा से संचालित हो रहे हैं। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन भारत का पहला ऐसा स्टेशन बना, जो शत प्रतिशत सौर ऊर्ज़ा से चलता है। रेलवे की भूमि पर 1 जीडब?ल?यू से अधिक सौर ऊर्ज़ा क्षमता स्थापित की जा चुकी है और आगे यह क्षमता कई गुना बढ़ाई जा रही है। वहीं, रेलवे ने 2030 तक पूरे नेटवर्क के सौ प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा है। इसके पूर्ण होते ही भारत दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन रेलवे नेटवर्क बन जाएगा। हरित ऊर्ज़ा के साथ-साथ रेलवे का डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन भी ज़ोर पकड़ रहा है। रेलवे ने देश के कई स्टेशनों को ''ग्रीन स्टेशन'' का दर्ज़ा दिलाया है। उदाहरण के लिए, हैदराबाद का काचीगुड़ा स्टेशन देश का पहला रेलवे स्टेशन बना, जिसे आईजीबीसी से ''ग्रीन बिल्डिंग'' प्रमाणन प्राप्त हुआ। यह स्टेशन ऊर्ज़ा की खपत कम करने, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट प्रबंधन और सौर ऊर्ज़ा उपयोग जैसे मापदंडों पर खरा उतरा। रेलवे ने पिछले वर्षों में सभी यात्री कोचों में बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स लगाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2021 तक लगभग सभी कोचों में बायो-टॉयलेट्स लगाए जा चुके थे, जिससे रेलवे ट्रैकों पर गंदगी गिरने की समस्या लगभग खत्म हो गई है। यह न केवल स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने में भी सहायक है। इतना ही नहीं भारत की हरित रेलवे पहल को संयुक्त राष्ट्र, इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) और विश?व बैंक जैसी संस्थाओं से प्रशंसा मिली है। इसके साथ ही भारत हाईड्रोजन वेली इनोवेशन प?लेटफॉर्म का भी हिस्सा बना है, जिससे वैश्विक स्तर पर हाइड्रोजन आधारित ऊर्ज़ा समाधानों में सहयोग को बढ़ावा मिल रहा है। रेलवे ने कई स्टेशनों को 'स्मार्ट स्टेशन' में बदलना शुरू किया है। इनमें वाई-फाई कनेक्टिविटी, स्मार्ट एस्केलेटर, इलेक्ट्रॉनिक सूचना डिस्प्ले, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट्स, और ऊर्ज़ा दक्ष एलईडी लाइटिंग, स्मार्ट टिकिटिंग सिस्टम, रेल मदद ऐप, फ़ेस रिकग्निशन कैमरे, एआई आधारित निगरानी, और नेशनल ट्रेन इंक?वायरी सिस?टम (एनटीईएस) जैसे नवाचार शामिल हैं। भारतीय रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को मॉडर्न, सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव देना है। कहना होगा कि भारतीय रेलवे में हो रहे ये परिवर्तन केवल तकनीकी बदलाव नहीं हैं, बल्कि भारत की उस दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं, जो एक स्वच्छ, तेज़, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ने का सपना देखती है। हाइड्रोजन ट्रेन इसका प्रतीक बन चुकी है – एक ऐसी रेल सेवा जो न केवल आगे बढ़ती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध वायु और स्वच्छ ऊर्ज़ा का रास्ता भी बनाती है। वहीं, भारतीय रेलवे अब केवल गंतव्य तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के सतत और समावेशी विकास की पटरी पर दौड़ती हुई एक प्रेरक गाथा बन चुकी है। वस्तुतः इन सभी प्रयासों से स्पष्ट होता है कि भारतीय रेलवे आज एक परिवहन साधन के साथ ही पर्यावरणीय नेतृत्व, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुका है। हरित ऊर्ज़ा की ओर इसकी तीव्र गति, स्वच्छ ऊर्ज़ा तकनीकों की स्वीकार्यता और टिकाऊ परिवहन की परिकल्पना भारत को विश्व मंच पर एक अग्रणी भूमिका में स्थापित कर रही है।

सावन का महीना, शिव मंदिर और दो देशों के बीच तांडव

हरीश शिवनानी

भारत की तरह वहाँ भी सावन मास में इनका महत्व बढ़ जाता है। दो बौद्ध देशों के बीच शिव मंदिरों को लेकर संघर्ष यह पुष्ट करता है कि आज भी यहाँ के निवासियों के मन-मस्तिष्क में अपनी मूल, प्राचीन सनातन संस्कृति की जड़ों के प्रति कितना सम्मान, कितनी तृष्णा है। जो भारतवर्ष सनातन हिन्दू संस्कृति और हिन्दू सभ्यता का जन्मदाता है, वहां अपने आराध्य श्रीराम के एक मंदिर के लिए 500 वर्ष तक लम्बा संघर्ष करना पड़ा। थाईलैंड और कम्बोडिया इन शिव मंदिरों पर अपना स्वामित्व जताने के लिए सौ साल से ज्यादा संघर्षरत हैं।

सावन का महीना भारत में सनातनी संस्कृति-धर्मावलंबियों के लिए पावन और महत्वपूर्ण माना जाता है। पूरे देश में शिव मंदिरों में महीने भर पूजा-अर्चना के कार्यक्रम चलते रहते हैं। इस बार सावन का महीना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट कारण से चर्चा में आ गया है। इस सावन माह में दो बौद्ध देशों के बीच सशस्त्र तांडव छिड़ गया है। इसका कारण हैं दो शिव मंदिर। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर स्थित प्रासात प्रेह विहियार और प्रासात ता मुएन थोम नामक ये शिव मंदिर करीब एक हजार वर्ष प्राचीन हैं। दोनों देश बौद्ध बहुल हैं, लेकिन मंदिर की हिंदू विरासत दोनों के लिए सांस्कृतिक महत्व रखती है। थाईलैंड में हिंदू परंपरा और बौद्ध धर्म का मिश्रण देखा जाता है, जबकि कंबोडिया इसे अपनी खमेर पहचान से जोड़ता है। भारत की तरह वहाँ भी सावन मास में इनका महत्व बढ़ जाता है। दो बौद्ध देशों के बीच शिव मंदिरों को लेकर संघर्ष यह पुष्ट करता है कि आज भी यहाँ के निवासियों के मन-मस्तिष्क में अपनी मूल, प्राचीन सनातन संस्कृति की जड़ों के प्रति कितना सम्मान, कितनी तृष्णा है। जो भारतवर्ष सनातन हिन्दू संस्कृति और हिन्दू सभ्यता का जन्मदाता है, वहां अपने आराध्य श्रीराम के एक मंदिर के लिए 500 वर्ष तक लम्बा संघर्ष करना पड़ा। थाईलैंड और कम्बोडिया इन शिव मंदिरों पर अपना स्वामित्व जताने के लिए सौ साल से ज्यादा संघर्षरत हैं। दोनों खमेर कालीन हिंदू मंदिर हैं, जो लगभग 153 किमी की दूरी पर स्थित हैं और लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव का केंद्र रहे हैं। प्रासात प्रेह विहियार शिव मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्र का विवाद थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक जटिल मुद्दा है। धार्मिक स्थल के साथ यह दोनों देशों की राष्ट्रीय पहचान, गौरव, ऐतिहासिक दावों और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़ा है। इस मंदिर की पांच स्तरीय चढ़ाई आत्मिक उत्थान का प्रतीक है। यह मंदिर थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर डोंगरेक पर्वत शृंखला में स्थित है। प्रासात प्रेह विहियार मंदिर का निर्माण 9 वीं से 11वीं शताब्दी के बीच खमेर साम्राज्य के दौरान हुआ। खमेर वास्तुशिल्प वाले इस मंदिर को खमेर राजा सूर्यवर्मन प्रथम और सूर्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बनवाया गया, जो अंगकोर वाट जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के लिए भी जाने जाते हैं। इस मंदिर को 'शिखरेश्वर' भी कहा जाता है। मंदिर में शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा स्थापित है, जो हिंदू धर्म की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है। प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की भौगोलिक स्थिति विवाद का प्रमुख कारण है। मंदिर तक पहुंच का मुख्य रास्ता थाईलैंड की ओर से है, हालांकि पूर्वी और पश्चिमी ओर से कंबोडिया के शहरों से जुड़े दो रास्ते भी हैं। कंबोडियाई स्वयं को खमेर साम्राज्य के वंशज मानते हैं और इस मंदिर को अपनी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान मानते हैं। वहीं,थाईलैंड में इसे हिंदू और बौद्ध विरासत के हिस्से के रूप में देखा जाता है, क्योंकि यह क्षेत्र पहले स्याम (थाईलैंड का पुराना नाम) के प्रभाव में था। 1863 से 1953 तक कंबोडिया फ्रांसीसी उपनिवेश के अधीन था। 1907 में फ्रांस और स्याम (थाईलैंड) के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें डोंगरेक पर्वत क्षेत्र और प्रासात प्रेह विहियार मंदिर को कंबोडिया के हिस्से के रूप में चिह्नित किया गया। जिसे थाईलैंड ने स्वीकार नहीं किया। इस सीमा निर्धारण ने विवाद की नींव रखी, क्योंकि थाईलैंड का दावा था कि मंदिर और इसके आसपास का क्षेत्र उनके सुरीन और सिसाकेट प्रांतों का हिस्सा है। वर्ष 1959 में कंबोडिया विवाद को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ले गया। 1962 में न्यायालय ने मंदिर कंबोडिया के क्षेत्र में माना। थाईलैंड ने फैसले को स्वीकार नहीं किया। जुलाई 2008 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर का दर्ज़ा दिया, जिसका भी थाईलैंड ने विरोध किया। इसके बाद सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ गया और 2008 से 2011 तक दोनों देशों के सैनिकों के बीच कई झड़पें हुईं। 2011 में यह संघर्ष चरम पर पहुंचा, जिसमें 36,000 लोग विस्थापित हुए और कम से कम 28 लोग मारे गए। उधर, प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की तरह ही प्रासात ता मुएन थोम प्राचीन मंदिर भी विवाद का बिंदु है। प्रासात ता मुएन थोम की खास बात यह है कि इसका शिवलिंग प्राकृतिक चट्टान से बना है और 'स्वयंभू शिवलिंग' की तरह पूजा जाता है। थाईलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओडार मींचेई प्रांत की सीमा पर प्यह मंदिर 12वीं शताब्दी में खमेर सम्राट उदयादित्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बना। प्रासात ता मुएन थोम मंदिर को लेकर तनाव 13 फरवरी 2025 से शुरू हुआ। जब कंबोडियाई सैनिकों ने मंदिर में जाकर अपना राष्ट्रगान गाया, जिसे थाई सैनिकों ने सीमा उल्लंघन माना और विवाद शुरू हो गया। इसके बाद 28 मई 25 में एमरल्ड ट्रायंगल क्षेत्र में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत के बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव बढ़ गया। इस घटना के बाद एक रोचक वाकया हुआ। 28 मई को हुए टकराव के बाद तनाव कम करने के उद्देश्य से थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के साथ फोन पर बातचीत की। जिसमें पैतोंगटार्न ने थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद पर चर्चा की। इस बातचीत में उन्होंने कथित तौर पर थाई सेना के कमांडर की आलोचना की और हुन सेन को 'अंकल' कहकर संबोधित किया। इस बात को थाईलैंड में अपमानजनक और 'राष्ट्र के सम्मान' के विरुद्ध मानते हुए इसे प्रधानमंत्री पद की नैतिकता का उल्लंघन माना गया और 1 जुलाई को थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को निलंबित कर दिया। इसके बाद 23 जुलाई को एक थाई सैनिक लैंडमाइन की चपेट में आ गया और अब विवाद सीधे सैन्य संघर्ष में बदल गया और 24 जुलाई से थाईलैंड और कंबोडिया टैंकों, तोपों, राकेटों और फौजों को साथ लेकर युद्ध मैदान में आ गए हैं। राकेट वार शुरू हो गई है। एक दूसरे पर बम बरसाए जा रहे हैं, सेनाएं आमने सामने मोर्चा संभाले खड़ी हैं। अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है, करीब डेढ़ लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं।

मनसा का मातमः अफवाह बनी त्रासदी की वजह

ललित गर्ग

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई।

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं ताकि आस्था के केंद्र जीवन के लिए खतरा न बनें। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। अच्छा यह होगा कि सरकारें भगदड़ की घटनाओं को लेकर प्रशासन को सच में जवाबदेह बनाना सीखें। इसके साथ ही आम लोगों को भी जापान जैसे देशों के लोगों से अनुशासन की सीख लेनी होगी।

निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण का कार्य सम्पन्न करायें: डीएम

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समीक्षा बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे.रीभा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 हेतु निर्वाचक नामावलियों के बृहद पुनरीक्षण को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी समस्त उप जिलाधिकारियों एवं खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 की निर्वाचक नामावली के सम्बन्ध में जारी किये गये दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण का कार्य सम्पन्न करायें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि बीएलओ की ब्लाकवार प्रशिक्षण कराया जाए एवं दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण गम्भीरता से लेते हुए किया जाए। उन्होंने कहा कि 18 जुलाई से 18 अगस्त, 2025 तक बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन करते हुए जानकारी दी जायेगी। 19 अगस्त से 29 सितम्बर, 2025 तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना एवं सर्वेक्षण हेतु तथा हस्तलिपि पाण्डुलिपि तैयार करने का कार्य करेंगे। जिन लोगों की दिनांक 01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम शामिल किये जायेंगे। इसके साथ ही 19 अगस्त से 22 सितम्बर, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन भी किये जा सकते हैं। ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की बीएलओ द्वारा 23 सितम्बर से 29 सितम्बर तक घर-घर जाकर जांच की जायेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि पाण्डुलिपि तैयार करने में ग्राम पंचायत का नाम, वार्ड संख्या, मतदान केन्द्र तथा मतदेय स्थल का नाम व मकान संख्या आदि स्पष्ट रूप से सही तरीके से अंकित किया जाए। डाफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि 07 अक्टूबर से 24 नवम्बर, 2025 तक की जायेगी। 25 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन मतदाता की डाउनलोडिंग का कार्य किया जायेगा। अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन 05 दिसम्बर, 2025 तथा प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण एवं दावें और आपत्तियां प्राप्त करना दिनांक 06 दिसम्बर से 12 दिसम्बर तक किया जायेगा। निर्धारित अवधि के पश्चात दावे एवं आपत्तियों में विचार नही किया जायेगा। दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण 13 दिसम्बर से 19 दिसम्बर, 2025 तक किया जायेगा। इसके उपरान्त निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य हेतु अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी, 2026 को किया जायेगा। बीडीओ एवं एडीओ पंचायत अच्छी तरह से प्रशिक्षण प्राप्त कर लें। बीएलओ प्रत्येक घर में जाकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य करना सुनिश्चित करेंगे।

प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर एक पर्यवेक्षक की तैनाती निर्वाचक नामावली के कार्य को सही रूप से पूर्ण किये जाने हेतु की जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राजेश कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत सहित समस्त उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, एडीओ पंचायत एवं सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार फ्रूट्स का सीडीओ ने किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी, मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी द्वारा मंगलवार को इण्डो-इजराइल प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट्स का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्रशासनिक भवन के चारों ओर दिवालों से लगे हुए बनाये गये फर्श के बाद मिट्टी भराई करा दी जाय जिससे भवन के बुनियाद में वर्षा ऋतु में पानी भरा न होने पाये। उन्होंने कहा कि लगाये गये फायर सिस्टम में लाल रंग के ओपेन तार एवं खुले बॉक्स को अग्निशमन अधिकारी से वार्ता करके यदि अण्डर ग्राउण्ड का प्राविधान हो तो इसे अण्डर ग्राउण्ड करा दिया जाय। सेन्टर के अवशेष कार्य जैसे शेडनेट हाउस, पॉली हाउस, मॉडल नर्सरी, तालाब, सोलर सिस्टम की स्थापना व फर्नीचर आदि पूर्व प्रस्तावित कार्यों को यथाशीघ्र कराये जाने के लिए जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया तथा कहा कि भव्य मेन गेट, गार्डरूम सहित, जी.टी. रोड से मुख्य भवन के पीछे तक सी.सी. रोड का निर्माण, सिंचाई के लिए एक ट्यूबवेल, सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए स्ट्रीट लाईट व वाहन पार्किंग का प्राक्कलन सम्बन्धित विभाग से प्राप्त कर कार्य कराया जाय। उन्होंने एक्सीलेंस सेन्टर को एक माह के अन्दर संचालन की पूर्ण तैयारी के लिए उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया । निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियन्ता यू.पी.आर.एन.एस.एस दिवाकर मिश्रा व जिला उद्यान अधिकारी अवधेश मिश्रा उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जनपद स्तरीय इंस्पायर अवार्ड विज्ञान प्रदर्शनी में हरदौली के छात्र आयुष की शानदार सफलता

बांदा। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय आज प्रतिभा और परिश्रम का केंद्र बनता जा रहा है। इसी का सजीव उदाहरण बने हैं बांदा के हरदौली स्थित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय के छात्र आयुष कुमार (कक्षा 11), जिन्होंने इंस्पायर अवॉर्ड विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और जनपद स्तर पर शीर्ष 10 प्रतिभागियों में चयनित होकर विद्यालय का नाम रौशन किया है। अब आयुष राज्य स्तरीय प्रदर्शनी प्रतियोगिता में अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और राष्ट्रीय नवाचार संस्थान द्वारा संचालित एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य स्कूली छात्रों में नवाचार, वैज्ञानिक सोच, और अनुसंधान की भावना को प्रोत्साहित करना है। इसके अंतर्गत कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों को उनके नवीन विचारों और मॉडलों के लिए सम्मानित किया जाता है। गौरतलब है कि राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, समाज कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आवास, भोजन, और सर्वांगीण विकास हेतु संचालित एक आवासीय शिक्षण संस्थान है। विद्यालय विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि उनके वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, और खेल प्रतिभा को भी निखारने के लिए विशेष प्रयास करता है।

यूपी एमपी तोड़ दो बुंदेलखंड को जोड़ दो: प्रवीण पाण्डेय बुंदेलखंडी

बांदा। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति द्वारा चलाए जा रहे ऐतिहासिक जनजागरण अभियान 'एक राखी बुंदेलखंड के नाम' का 20वां दिन आज चित्रकूट धाम क्षेत्र के बांदा जनपद अंतर्गत कमासिन विकासखंड में गांव कठार के भुइया बाबा में प्रेरणादायी जनसंगठना और भावनात्मक सहभागिता के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमासिन क्षेत्र के वरिष्ठ संत स्वामी राम दास जी महाराज ने की। उन्होंने अपने आशीर्वचन में कहा कि बुंदेलखंड की धरती वर्षों से पीड़ा सह रही है। जल, जंगल और ज़मीन का दोहन हो चुका है। अब समय है कि बुंदेलखंड को उसका संवैधानिक और प्रशासनिक अधिकार कृ एक पृथक राज्य के रूप में तुरंत मिले।मुख्य अतिथि बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय बुंदेलखंडी ने कहा हमें चाहिए हमारा अधिकार पृथक बुंदेलखंड राज्य। राखी अब सिर्फ भाई के हाथ की नहीं, बुंदेलखंड की पीड़ा का प्रतीक बन गई है। हर राखी के साथ इस बार आवाज़ उठे हमें हमारा राज्य चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक ब्लाक अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने बताया कि यह अभियान कमासिन क्षेत्र में जन-जन तक पहुँच चुका है और गाँव-गाँव में लोग इससे जुड़ रहे हैं।मुख्य रूप से उपस्थित रहे। हिमांशु त्रिपाठी, विभीषण लोधी, दसरथ सिंह तथा कई अन्य सैकड़ों की संख्या में बहने, किसान, युवाओं ने अभियान को सक्रिय समर्थन दिया और गांवों में घर-घर जाकर लोगों से रक्षाबंधन पर प्रधानमंत्री को राखी भेजने की अपील की। बुजुर्गों ने आशीर्वाद दिया, युवाओं ने संकल्प लिया और मातृशक्ति ने आवाज़ बुलंद की। बच्चों ने बुंदेलखंड को राज्य बनाओ की पट्टियाँ बाँधीं, महिलाओं ने प्रधानमंत्री के नाम विशेष राखियाँ भेजीं।

व्यक्ति की गोली मारकर हत्या करने वाले दो अभियुक्तों को दिलाई आजीवन कारावास की सजा

बांदा। थाना बिसण्डा क्षेत्र में व्यक्ति को गोली मारकर हत्या करने वाले 02 अभियुक्तों को आजीवन कारावास व 10 हजार रुपये के जुर्माने से दण्डित कराया गया । गौरतलब हो कि थाना बिसण्डा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम अकौना में 25 मार्च 14 की रात्रि को बन्धुवा पुत्र चुनबुद्दा की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी । इस सम्बन्ध में मृतक की बहु द्वारा दी गई तहरीर पर थाना बिसण्डा में धारा 302/34 भादवि पंजीकृत किया गया था जिसकी विवेचना तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह की गई । विवेचना के क्रम में विवेचक द्वारा प्रभावी विवेचना करते हुए 24 जुलाई 2014 को आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया गया था । अभियोजक सुशील तिवारी द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई साथ ही कोर्ट मोहर्रिर महिला आरक्षी शिप्रा सचान तथा पैरोकार आरक्षी राजन के अथक प्रयासों से दोनों अभियुक्तों को सत्र न्यायालय बांदा द्वारा आजीवन कारावास व 10 हजार रुपये जुर्मानें की सजा से दण्डित कराया गया । अभियुक्तों का नाम रामबाबू पुत्र मेवालाल निवासी ग्राम अकौना थाना बिसण्डा जनपद बांदा व बिंदाप्रसाद पुत्र रामकृपाल निवासी अकौना थाना बिसण्डा जनपद बांदा है।

नाले की सफाई और महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित कराने की मांग

बांगरमऊ (उन्नाव)। नगर की मूलभूत समस्याओं और सांस्कृतिक पहचान को लेकर मंगलवार को भाजपा पदाधिकारियों सहित अन्य नागरिकों ने चेयरमैन रामजी गुप्ता को दो अलग-अलग मांग पत्र सौंपे। एक पत्र में नगर के प्रमुख नाले की सफाई कराए जाने की मांग की गई, वहीं दूसरे पत्र में नगर के विभिन्न स्थानों पर महापुरुषों की प्रतिमाएं व द्वार स्थापित कराए जाने की अपील की गई। बीजेपी बांगरमऊ मंडल अध्यक्ष गोविंद कुशवाहा, नगर महामंत्री राजकुमार, सुनील कुमार, सौरभ गुप्ता और सूरज गुप्ता समेत अन्य नेताओं ने पालिकाध्यक्ष को सौंपे पत्र में कहा कि नगर की प्रमुख बाजार नौनिहालगंज से लेकर लखनऊ रोड चौराहा तथा नसीमगंज होते हुए इंदिरा गांधी डिग्री कॉलेज तक फैले बड़े नाले में वर्षों से सिल्ट जमा है। इसके कारण बरसात के समय मोहल्लों और उन्नाव-हरदोई मार्ग सहित प्रमुख स्थानों पर जलभराव हो जाता है, जिससे मकानों और दुकानों को क्षति पहुंचने का खतरा बना रहता है। उन्होंने इस नाले की तलहटी तक सफाई कराए जाने की मांग की। दूसरे पत्र में भाजपा पदाधिकारियों ने नगर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को संजोने हेतु विभिन्न वार्डों और प्रमुख स्थलों पर महापुरुषों की स्मृति में द्वार व प्रतिमाएं स्थापित करने की मांग की। इसमें किरन पेट्रोल पंप के पास दानवीर भामाशाह, न्यू कटरा में भगवान परशुराम, पन्नी टोला व प्रेमगंज में डॉ. भीमराव अंबेडकर, कस्बा टोला में मौर्य-कुशवाहा समुदाय के सम्मान में द्वार, शुक्लाना तिराहा पर भगवान विश्वकर्मा द्वार तथा बिल्हौर मार्ग पर कल्याणी नदी पुल तिराहा पर सम्राट अशोक व अशोक स्तंभ की प्रतिमा लगाए जाने की मांग की गई।

बांदा रोटी बैंक सोसाइटी ने 50 टीबी रोगियों को गोद लेकर वितरित की पोषण किटें

6 माह तक लगातार प्रत्येक माह दी जाएगी टीबी मरीजों को पोषण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मंगलवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निःक्षय मित्र बनकर क्षय रोगियों को गोद लेकर टीबी मुक्त अभियान में सहयोगी बनकर बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख़ सऊद उद जमा और सह संरक्षक चंद्रमौलि भारद्वाज साहब, मनु बंसल जी के संरक्षण में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संगठन मंत्री सुनील सक्सेना की अध्यक्षता में रिज़वान अली अध्यक्ष बाँदा रोटी बैंक के नेतृत्व में 50 पोषण किट 50 टी0बी0 के मरीजों बच्चों,महिलाओं,बुजुर्गों को गोद लेकर सभी मरीजों को सीएमओ कार्यालय सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री विजेन्द्र सिंह की उपस्थिति में वितरित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. विजेन्द्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सरकार ने 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य रखा है लक्ष्य को पूर्ण करने के सहयोग प्रदान करने के लिए बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के सभी पदाधिकारी/सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने 50 टीबी रोगियों को गोद लेकर उनको पोषण किट वितरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा की टीबी भले ही जानलेवा बीमारी हो लेकिन अब इसका इलाज बुखार जैसा ही है अगर खांसी बुखार ,पसीना आना,सीने में दर्द,बलगम में खून और शरीर में गांठ जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत सरकारी अस्पताल जाकर उसकी जांच कराएं और पुष्टि होने पर नियमित इलाज लेना आरंभ कर दें ताकि बीमारी जड़ से खत्म हो जाए।मंदिरों में घंटी बजाने से अच्छा है कि गरीब,असहाय,जरूरतमंद,मरीजों की हर संभव मदद करें! क्योंकि ष्नर सेवा ही नारायण सेवा हैष।असली ईश्वर की पूजा यही है।जो आज मुझे बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के रूप में दिखाई दी है। वहीं जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ0अजय कुमार ने बताया कि ष्जानलेवा नहीं है अब टीबी रोग इलाज संभव हैष। टीवी मरीजों के लिए केंद्र और राज्य सरकार हर माह 1000/रु का पोषण अनुदान देती है 6 माह दवा खाकर टीबी की बीमारी को जड़ से खत्म किया जा सकता है सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की निशुल्क जांच और दवाइयां उपलब्ध हैं इस अभियान में संगठन भी मरीजों को पोषण किट प्रदान कर रहे हैं।जो आज रोटी बैंक सोसायटी कर रही है इसके पहले भी रोटी बैंक सोसाइटी ने 50 टीबी मरीजों को गोद लिया था यह अपने जनहित के कार्य को प्रतिदिन लगातार अंजाम दे रहे हैं हम इन सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। कार्यक्रम में संरक्षक शेख सऊद उद जमा ने सभी मरीजों को नियमित दवा के साथ-साथ मिली हुई पोषण किट को स्वयं इस्तेमाल करने की सलाह दी। लअध्यक्ष रिजवान अली ने सभी आए हुए मरीज को संबोधित करते हुए अतिथियों सहित सभी का आभार व्यक्त किया। वहीं संगठन मंत्री सुनील सक्सेना के द्वारा मरीजों को साफ सफाई का ध्यान रखते हुए पोषण किट का इस्तेमाल करें।अपने संगठन के द्वारा की जा रही गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में बांदा रोटी बैंक सोसाइटी से संरक्षक शेख सऊद उद जमा साहब,अध्यक्ष रिज़वान अली, संगठन मंत्री सुनील सक्सेना,उपाध्यक्ष मो0 सलीम,महामंत्री मो0 अज़हर, सचिव मोहम्मद इदरीश, कार्यालय प्रभारी मोहम्मद शमीम, सोशल मीडिया प्रभारी अख़्तर किरमानी, संजय ककोनिया उदघोषक, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती तरन्नुम फ़ात्मा,महिला संगठन मंत्री प्रीती शिवहरे, पीपी एस ए एजेंसी कुमारी चंद्रा देवी सहित टीबी हास्पिटल के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गणों पर स्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रसिद्ध उद्घोषक संजय काकोनिया द्वारा किया गया।

घर में स्नान कर रही महिला का बनाया अश्लील वीडियो, शिकायत पर महिला की हुई पिटायी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

एस पी शिकायत करने पहुंची महिला

कौशाम्बी। थाना सरायअकिल क्षेत्र की एक महिला द्वारा घर के आंगन में स्नान करने के दौरान पड़ोसी युवक मोहम्मद हसीन उर्फ बीरन द्वारा अपने छत से महिला का स्नान करते समय का अश्लील वीडियो बनाया जा रहा था जिस पर अचानक महिला की नजर पड़ी तो वह शोर मचाने लगी तथा परिजनों को जानकारी दी। महिला का आरोप है कि जब वह अपने ससुर के साथ मोहम्मद हसीन के घर शिकायत करने गयी तो आरोपी अपने घर वालों के साथ मिलकर पीड़िता को मारपीट कर घायल कर दिये। उक्त घटना की शिकायत पीड़िता द्वारा लिखित शिकायत थाना सरायअकिल में गयी तो उसे न्याय दिलाने का आश्वासन दिया गया लेकिन बाद में पुलिस विपक्ष से मिलकर पीड़ित परिवार पर ही मुकदमा दर्ज कर दिया गया जिससे आहत पीड़ित महिला मंगलवार को एस पी से मिलकर न्याय की गुहार लगायी।

सांसद डिंपल पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में सपा महिला सभा का प्रदर्शन

एसपी को ज्ञापन सौंप की मुकदमा दर्ज करने की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। समाजवादी पार्टी की मैनपूरी सांसद डिंपल यादव के खिलाफ एक व्यक्ति द्वारा की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरोध में समाजवादी पार्टी महिला सभा की जिलाध्यक्ष अर्चना पटेल की अगुवाई में सपाईयों ने एसपी कार्यालय में प्रदर्शन करते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर आरोप के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। सपा महिला सभा जिलाध्यक्ष अर्चना पटेल ने एसपी को दिये ज्ञापन में बताया है कि मैनपुरी सांसद श्रीमती डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी द्वारा की गयी अशोभनीय टिप्पणी बर्दाश्त नहीं है। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाये। कहा कि समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं मैनपुरी की माननीय सांसद श्रीमती डिंपल यादव जो सदैव महिला सशक्तीकरण,गरिमा और सम्मान की आवाज रही हैं उनके विरूद्ध मौलाना साजिद रशीदी द्वारा हाल ही में एक सार्वजनिक मंच पर अशोभनीय अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की गयी है। यह टिप्पणी न केवल एक सम्मानित महिला सासद का अपमान है, बल्कि समस्त महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली है। यह बात महिलाओं के प्रति दुर्भावना फैलाने की नीयत से की गयी है, जो कि भारतीय संविधान, महिला सम्मान और विधि व्यवस्था का खुला उल्लंघन है।मांग की कि उनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाय, ताकि समाज में यह सख्त संदेश जाय कि महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष मधुसूदन कुशवाहा, अबरार फारूक, शगुफ्ता सिद्दीकी, लालमन यादव, मोहन साहू आदि मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के चयनित प्रतिभागियों को डीएम ने किया सम्मानित

बांदा। मंगलवार को आदर्श बजरंग इंटर कालेज बांदा में इंस्पायर अवार्ड मानक योजनांतर्गत वर्ष 2023- 24 एवं 2024- 25 के चयनित विद्यार्थियों की जनपद स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज बांदा में किया गया। उक्त प्रतियोगिता के इंस्पायर अवार्ड मानक के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों द्वारा मॉडल बनाकर प्रदर्शित किए गए। प्रतियोगिता में जनपद बांदा हमीरपुर महोबा एवं चित्रकूट से कुल 101 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता जिला विद्यालय निरीक्षक दिनेश कुमार के निर्देशन में आयोजित की गई तथा प्रदर्शनी का निरीक्षण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अव्यक्त राम तिवारी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में राज स्तरीय प्रतियोगिता के लिए 11 विद्यार्थियों को जिला विद्यालय निरीक्षक दिनेश कुमार द्वारा प्रमाण पत्र एवं मैडल देकर शुभकामनाएं प्रदान की गई। निर्णायक मंडल के रूप में प्रो0 जितेंद्र कुमार राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय बांदा, डा. माया वर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय बांदा, डा. एस0एन0 त्रिपाठी पंडित जे0एन0 पी0जी0 कॉलेज बांदा तथा डॉ सलमान पंडित जे0एन0 पी0जी0 कॉलेज बांदा उपस्थित रहे। राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान नई दिल्ली से प्रशांत श्रीवास्तव तथा राज्य संदर्भ समूह सदस्य आशुतोष शुक्ला, लोकेश मिश्रा एवं प्रियंका सिंह उपस्थित रहे आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज बांदा के प्रधानाचार्य मेजर मिथिलेश कुमार पाण्डेय ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में समस्त प्रतिभागी बच्चे, उनके नोडल शिक्षक रुद्रेंदु अवस्थी, अनुज शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक विमल कुमार त्रिपाठी ने किया। वर्ष 2024-25 के प्रतिभागियों में से जनपद बांदा की सेजल साहू, अर्जुन, राज प्रताप, आयुष कुमार, दीपेंद्र एवं प्रिंस को जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट बांदा में प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया एवं छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।

एएसपी ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट के तत्वाधान में की मासिक समीक्षा बैठक

बांदा। जनपद में बाल भिक्षावृत्ति/बालश्रम की रोकथाम, किशोर न्याय संरक्षण, बाल विवाह की रोकथाम आदि हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में आज अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज की अध्यक्षता में पुलिस लाइन सभागार बांदा में मानव तस्करी निरोधी इकाई जनपद बांदा के तत्वाधान में मासिक समीक्षा बैठक की गयी जिसमें बाल अपराधों की रोकथाम हेतु बाल सेवा योजना व बच्चों से सम्बन्धित सरकारी योजनाओं के सम्बन्ध में लोगों को जागरुक करने तथा बालश्रम व बाल विवाह पर रोक लगाये जाने के संबंध में ग्रामीण व शहर क्षेत्रों में स्कूलों/कालेजों में विभिन्न प्रकार के जागरुकता कार्यक्रमों को चलाये जाने एवं व्यापक प्रचार प्रसार करने के साथ ही साथ पुलिस व अन्य सरकारी/गैर-सरकारी संस्थाओं के परस्पर आपसी सहयोग के संबंध मे भी दिशा निर्देश दिए गये । मानव तस्करी निरोधी इकाई व विशेष किशोर पुलिस इकाई, किशोर न्याय संरक्षण बोर्ड को इस संबंध में स्कूलों/कालेजो में विभिन्न प्रकार के जागरुकता कार्यक्रमों को चलाने जाने हेतु निर्देशित किया गया।

श्रवण कुमार की परंपरा जीवित: डोली में दादा-दादी को बैठाकर सोरों से एटा तक पैदल लाए परिजन

श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर भावनाओं से भरा दृश्य, भक्ति और सेवा की मिसाल बनी यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जनपद में श्रावण मास के तीसरे सोमवार को एक ऐसा भावनात्मक दृश्य देखने को मिला, जिसने सभी को भावुक कर दिया। दूल्हापुर निवासी एक परिवार ने अपने बुजुर्ग दादा-दादी को सोरों गंगा स्नान कराकर डोली में बैठाकर एटा तक पैदल यात्रा कर श्रद्धा और सेवा की मिसाल पेश की। इस विशेष यात्रा में परिवार के पांच बेटे, बहुएं, नाती-पोते और छोटे-छोटे बच्चे शामिल रहे, जिन्होंने मिलकर अपने बुजुर्गों की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। सोरों में गंगा स्नान कराने के बाद उन्होंने डोली सजाई और पूरे सम्मान के साथ पैदल चलकर बुजुर्ग दंपती को एटा स्थित अपने घर तक लाए। श्रवण कुमार की याद दिलाने वाली इस घटना ने राहगीरों और स्थानीय लोगों की आंखें नम कर दीं। श्रद्धा, सेवा और पारिवारिक मूल्यों से ओतप्रोत इस यात्रा को देखने वालों ने कहा कि आज के युग में ऐसे दृश्य विरले ही देखने को मिलते हैं। परिजन सोमपाल पुत्र राजवीर सिंह ने बताया कि ह्यह पुण्य का अवसर हमें नहीं, हमारे 80 वर्षीय दादा-दादी को समर्पित है। उनकी सेवा ही हमारी भक्ति है साथ में हमारे चाचा श्याम बाबू, धर्मेंद्र कुमार सुबह 6 बजे कावर लेकर सौरों जी से चले थे वहाँ से कावर अपने गांव दुल्हापुर तक लेकर जाएंगे और हमारे साथ परिवार के 15 लोग शामिल हैं।ङ्क परिवार ने यह भी कहा कि यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था, बल्कि परिवार में बुजुर्गों के प्रति कृतज्ञता और संस्कारों का प्रतीक है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच यह यात्रा चर्चा का विषय बनी रही और इसे भक्ति, सेवा और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का प्रेरणास्रोत बताया गया।

कावड़ यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

बांदा। आज श्रावण मास के तीसरे मंगलवार पर चित्रकूट धाम से भक्तों द्वारा निकाली गई भव्य कावड़ यात्रा पैदल चलते हुए बांदा नगर में प्रवेश किया। नगर में प्रवेश करते ही भक्तों पर पुष्प वर्षा के साथ उनका स्वागत किया गया। कावड़ यात्रा में भगवान शिव और पार्वती की झांकी महावीर बजरंगबली की झांकी और शिवगणों की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। भक्तों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कावड़ यात्रा में भाग लिया और बामदेवेश्वर मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना की।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

प्रेषक निविदा दस्तावेज संख्या डब्लू- सी.बी.- सी. सी. टी. वी. -2025-02 में संशोधन संबंधी सूचना। संदर्भ: निविदा सूचना संख्या: उ.रे./आर.एस.डब्लू./जुलाई/सी. सी. टी. वी. /2025/02 दिनाँक: 11.07.2025, जिसकी निविदा खुलने की तिथि 12.08.2025 है। कार्य का विवरण: 850 एम.ई.एम.यू. (MEMU), डी.ई.एम.यू. (DEMU) और ई.एम.यू. (EMU) कोचों तथा 3-केज एयर कंडीशंड ए.सी. ई.एम.यू. (AC/EMU) कोचों में IP आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली (VSS) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग (SITC)।" उपरोक्त निविदा दस्तावेज में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं

क्रम सं.	विवरण	किए गए संशोधन
1	कार्य पूर्ण करने की अवधि	कार्य पूर्ण करने की अवधि -10 माह
2	निविदा दस्तावेज	संशोधित निविदा दस्तावेज वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।
3	सी.ए.एम.सी की शर्तें	निविदा की NIT में सी. ए. एम. सी की शर्तें जोड़ दी गई हैं।

निविदा की अन्य सभी शर्तें यथावत रहेंगी। सभी संशोधन www.ireps.gov.in वेबसाइट पर देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं।

सं.: डब्लू- सी.बी. सी. सी. टी. वी. -2025-02 दिनाँक: 28.07.2025

ग्राहकों की सेवा में पुरस्कार के साथ 2286/25

जिला पंचायत काम्पलेक्स गेट से अवैध अतिक्रमण हटवाने को भटक रहे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- दुकानदार - प्रमुख सचिव जिला पंचायती राज को दुकानदारों ने भेजा पत्र

गोला गोकर्णनाथ,खीरी। शहर की मिल रोड स्थित नवनिर्मित जिला पंचायत काम्पलेक्स के गेट पर किए गये अस्थाई अवैध अतिक्रमण को लेकर 23 दुकानदारों ने प्रमुख सचिव जिला पंचायती राज को पत्र भेजकर अतिक्रमण को हटवाने की मांग की है। जिला पंचायत काम्पलेक्स के दुकानदार प्रमोद वर्मा, प्रेम प्रकाश गुप्ता, मीनू गुप्ता, राजेश गुप्ता, रामोतार वर्मा, सुनीता वाला, राजीव गुप्ता आदि ने प्रमुख सचिव जिला पंचायती राज को भेज पत्र में कहा है कि अगस्त 2016 में गोला गोकर्णनाथ के मिल रोड स्थित जिला पंचायत काम्पलेक्स में 23 दुकानों की नीलामी के लिए निविदा निकाली गई थी। जिसके बाद 14 अगस्त 2016 को खुली बोली लगवाई गई और अधिक बोली लगाने वाले से 30 सितम्बर 2016 को पूरी धनराशि जमा करा ली गई। कई साल गुजर जाने के बाद दुकानें आवंटित नहीं हुई तो दुकानदारों ने अपना पैसा मांगना शुरू कर दिया। जिसके बाद अपर मुख्य अधिकारी लखीमपुर ने सभी दुकानदारों को 10 अगस्त 2021 को दुकान आवंटन का आदेश देकर अपना पल्ला झाड लिया। दुकानदारों का कहना है कि जब कब्जा लेने के लिए जिला पंचायत काम्पलेक्स पहुंचे तो काम्पलेक्स के प्रमुख द्वार पर अवैध अतिक्रमण इस कदर का था कि पैदल जाने का रास्ता तक नही था। गेट के

सामने खोखे तख्त आदि होने के कारण अपने वाहन तक नहीं ले जा सके। दुकानदारों ने इसकी जानकारी अपर मुख्य अधिकारी कार्यालय को सामूहिक रुप से जाकर दी। अपर मुख्य अधिकारी द्वारा अश्वासन दिया गया कि मार्केट के सामने अतिक्रमण हटवाया जाएगा एवं आवारा जानवर मार्केट में न आए इसके लिए रेलिग व गेट लगवाया जाएगा। लेकिन बाद में कोई सुनवाई नहीं हुई। जिसके बाद दुकानदारों ने 3 दिसम्बर 2021 को अपर मुख्य अधिकारी को लिखित पत्र सौंपकर अवैध अतिक्रमण हटवाने की मांग की थी। इसके बाद 4 जुलाई 2022 को गोला तहसील दिवस में जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया। साथ की कई बार मौखिक व फोन से अतिक्रमण हटवाने के लिए अनुरोध किया गया। लेकिन अपर मुख्य अधिकारी कभी उपजिलाधिकारी तो कभी नगर पालिका परिषद के पाले में भेजकर इतिश्री कर रहे थे और अभी तक उक्त काम्प्लेक्स से अतिक्रमण नहीं हटवाया। दुकानदारों का कहना है कि दुकानों की नीलामी धनराशि जमा हुये लगभग 09 वर्ष और दुकान आंवटन को लगभग 04 साल हो गए है। दुकानदारों ने प्रमुख सचिव से अवैध अतिक्रमण का तत्काल हटवाये जाने की मांग की है। ज्ञापन में अनुज कुमार मिश्र, अवनीश कुमार, राजेश कुमार, सरिता देवी, आशीष साहनी, अरूण कटियार, प्रवेश कटियार, सचिन गुप्ता, सोनू कश्यप आदि के हस्ताक्षर थे।

डीएम ने की राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की वर्चुअल समीक्षा, अफसरों को दिए निर्देश

- डीएम बोली, गुणवत्ता और समयबद्धता से हो वाद निस्तारण, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जनपद के सभी राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की वर्चुअल समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि राजस्व मामलों का निस्तारण पूरी पारदर्शिता, गुणवत्ता और तय समयसीमा के भीतर होना चाहिए। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी। समीक्षा के दौरान उन्होंने धारा 24 (उत्तराधिकार), धारा 34 (नामांतरण), धारा 67 व धारा 116 (सीमांकन) से संबंधित वादों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हर मामले का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लंबित मामलों में अनावश्यक देरी किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने सभी एसडीएम, एसडीएम न्यायिक, तहसीलदार व नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि तिथि निर्धारण व सुनवाई की प्रक्रिया नियमित रूप से संचालित की जाए। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अंत में यह भी कहा कि राजस्व न्यायालयों की कार्यप्रणाली जनता के विश्वास से जुड़ी है, और इसमें पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वादों की सुनवाई पूरी गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ की जाए ताकि न्यायिक प्रक्रिया में लोगों का भरोसा और मजबूत हो सके। इस वर्चुअल समीक्षा बैठक में सभी उपजिलाधिकारी, एसडीएम न्यायिक, तहसीलदार और नायब तहसीलदार शामिल रहे। बैठक का संचालन एडीएम (न्यायिक) अनिल कुमार रस्तोगी ने किया।

ऑपरेशन सिंदूर विजय के उपलक्ष में सिंगाही से गोला आई तिरंगा कमर यात्रा ने किया जलाभिषेक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। शिव मंदिर में प्रातः सिंदूर ऑपरेशन विजय के उपलक्ष में सिंगाही से शारदा जी का जल लेकर शिवजी का जलाभिषेक करने आई हुई तिरंगा कावड़ यात्रा को भाजपा विधायक अमन अरविंद गिरी ने स्वागत करने के साथ जाकर तिरंगा कावड़ को शिव मन्दिर तक पहुंचा कर आए। इस दौरान तिरंगा कावड़ यात्रा के शिव भक्तों पर व कांवरियों पर विधायक अमन गिरी, पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ,धर्मेंद्र गिरी मोंटी, डॉक्टर सचिन पांडे, आयुष शुक्ला, विजय मिश्रा ,उमेश जायसवाल , राजन साहनी, मुकेश आनंद, अशोक जोशी, सचिन सिंह आदि लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

प्रकृति संरक्षण दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कैंपस कृषि महाविद्यालय लखीमपुर खीरी में प्रकृति संरक्षण दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय 'लोगों को पौधों से जोड़ो' था, जिसका उद्देश्य लोगों को प्रकृति के महत्व और उसकी देखभाल के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर रविंद्र नाथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी और कृषि महाविद्यालय के कृषि आधिष्ठाता डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने शिरकत की। डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति के संरक्षण के बिना हमारा भविष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए हमें पौधों की देखभाल करनी होगी और उन्हें संरक्षित करना होगा। डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने कहा कि अगर मनुष्य को स्वस्थ, सुंदर और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना है तो प्रकृति के संरक्षण पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए हमें पौधों की देखभाल करनी होगी और उन्हें संरक्षित करना होगा। डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने प्रकृति संरक्षण दिवस के मौके पर सभी छात्रों को कहा कि प्रत्येक छात्र अपने कैंपस के अंदर पांच-पांच पौधों की देखभाल करें और उन्हें गोद लें। इससे छात्रों को प्रकृति के महत्व को समझने और उसकी देखभाल करने की अनुमति मिलेगी। डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने जर्मप्लाज्म संरक्षण की महत्ता को समझाते हुए कहा कि इससे वनों को सुधारने में मदद मिल सकती है। उन्होंने फिनलैंड का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां पर लगभग 76 प्रतिशत क्षेत्र वन आच्छादित है और वहां पर हर पेड़ का एक डिजिटल रिकॉर्ड है। अगर पेड़ को काटना है तो उसके बदले तीन पेड़ लगाने पड़ेंगे।इस मौके पर सहप्राध्यापक डॉक्टर आनंद कुमार पांडे, डॉक्टर राजकुमार, डॉक्टर संदीप कुमार, डॉक्टर सतेन्द्र कुमार और छात्र मौजूद रहे। सभी ने प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझा और उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया और प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने छात्रों और पदाधिकारियों को प्रकृति के महत्व और उसकी देखभाल के प्रति जागरूक किया।

बिजली की बदहाल व्यवस्था के खिलाफ हैदराबाद पावर हाउस पर ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन जारी

- रात्रि में 16 नये गांवों को खोले जाने पर माने ग्रामीण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। हैदराबाद पावर हाउस से जुड़े अजान फीडर पर पिछले एक हफ्ते से बिजली की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित है। इस फीडर पर पहले 44 गांव जुड़े थे, लेकिन हाल ही में 16 और गांव जोड़ दिए गए हैं, जिससे फीडर पर लोड बढ़ गया है और ग्रामीणों को बिजली की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बदहाल बिजली व्यवस्था को सुधारे जान की मांग करते हुए देर रात करीब 10 बजे पावर हाउस पर एकत्र होकर धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि अजान फीडर की क्षमता बढ़ाई जाए ताकि बिजली आपूर्ति सुचारु रूप से परियाप्त मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली की कमी के कारण उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें पानी की कमी, फसलों की सिंचाई में परेशानी और घरेलू कार्यों में बाधा शामिल है। ग्रामीणों ने विजली विभाग के अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि 16 नये गांवों को जोड़ने के लिए ढाई लाख की डाली लेने के कारण इन गांवों को जोड़ दिया गया है जिससे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था बदहाल हो गई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। ग्रामीणों की मांगों पर पावर हाउस प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस जवाब नहीं आया है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों को ठोस कदम उठाने चाहिए और अजान फीडर की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

धरना करने के दौरान मीनू वर्मा धीरू यादव ध्रुव कुमार अभिषेक कुमार अभिषेक कश्यप सलीम अली चिंकू गुप्ता अंकित कुमार सुधीर कुमार विशाल कुमार अक्षय कुमार अक्षय अवस्थी शिवम वर्मा अभिषेक यादव अमन वर्मा सुखदेव वर्मा युसूफ अली नसीम अली सलीम अली मोनू सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे। इस संबंध में जे ई सत्येंद्र कुमार ने बताया कि 2 दिन से लाइन फाल्ट होने के चलते बिजली सही से नहीं चल पा रही है अभी हाल ही में अजान फीडर पर कुछ नये गाव जोड़े गये है। जिन्हें रात में खोल दिया गया है और सप्लाई बहाल कर दी गई है नए गांव जोड़े जाने के संबंध में एसडीओ से बात कर ले।

मैलानी पचायत अध्यक्षा कृतिमहेश्वरी ने शाहजहांपुर में भंडारे का आयोजन किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। नगर पंचायत अध्यक्षा श्रीमती कीर्ति माहेश्वरी और उनके पति समाजसेवी भवानी शंकर महेश्वरी ने शाहजहांपुर में एक भव्य भंडारा आयोजित किया। इस भंडारे में अनिल गुप्ता, विजय गुप्ता, पवन मित्तल, प्रताप सिंह रावत, संतोष, प्रदीप गुप्ता, उमेश और कई अन्य महिलाएं शामिल हुईं। इस भंडारे में एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली, जहां पंचायत अध्यक्ष कीर्ति माहेश्वरी और उनके पति समाजसेवी भवानी शंकर महेश्वरी दोनों कांवरियों का उपचार करते हुए दिखाई दिए। उन्होंने कांवरियों की सेवा में जुटे हुए थे और उनकी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास कर रहे थे। इस भंडारे के आयोजन से पंचायत अध्यक्षा और उनके पति ने सामाजिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इस भंडारे को सफलतापूर्वक आयोजित किया और कांवरियों की सेवा की। इस अवसर पर नगर पंचायत मैलानी अध्यक्षा कीर्ति महेश्वरी और उनके पति भवानी शंकर महेश्वरी ने अपने सहयोगियों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस भंडारे को सफल बनाने में मदद की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज में एकता और सौहार्द का संदेश जाता है।

हैदराबाद पुलिस में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार नफर वारंटी को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी महोदय के सन्निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी गोला के कुशल मार्ग दर्शन में थानाध्यक्ष थाना हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद खीरी की पुलिस टीम द्वारा चार नंबर वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार किए गए।

पुलिस टीम द्वारा 29 जुलाई को गिरफ्तार किए गए 4 नफर वारंटी अभियुक्तों मे मनीष पुत्र मौजीलाल निवासी ग्राम आंवला , अनुपम कुमार पुत्र राकेश कुमार वर्ष, राकेश कुमार पुत्र मनीराम निवासीगण ग्राम सकिनान अहमदनगर, नीरज कुमार पुत्र शिवदयाल उर्फ सिरदार निवासी ग्राम पन्नापुर, सभी अभियुक्त थाना हैदराबाद क्षेत्र के हैं। जिनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय सम्मुख पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक हेमन्त कटियार, अशोक कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, कांस्टेबल धर्मेन्द्र वर्मा, प्रेमशंकर, रवि कुमार, सचिन कुमार और नीरज कुमार शामिल थे।

19 यू पी गर्ल्स बटालियन एनसीसी का दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आज से शुभारंभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

आज एनसीसी ग्रुप लखनऊ की 19 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप का सेना चिकित्सा कोर केंद्र एवं कॉलेज के 2 सैन्य प्रशिक्षण बटालियन के प्रांगड़ में भव्य शुभारंभ हो गया । आज इस कैंप की औपचारिक शुरुआत शिविर के कमांडेंट कर्नल (डॉ) दिनेश कुमार पाठक द्वारा अपने ओपनिंग एड्रेस के साथ-साथ किया । अपने उद्बोधन मैं कर्नल पाठक ने सर्वप्रथम इस कैंप में हिस्सा लेने वाले लगभग 600 एनसीसी कैडेटों का तथा उनके स्कूलों एवं कॉलेजों से आए हुए एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर्स / केयरटेकर ऑफीसर्स तथा ट्रेनिंग करवाने हेतु तैनात बीसों सेना के पी आई स्टाफ का स्वागत किया । तत्पश्चात प्रशिक्षण योजना, शिविर संबंधी हिदायतें एवं उनके खाने-पीने व रहने से संबंधित आवश्यक मुद्दों पर विधिवत विस्तार में दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने एनसीसी कैडेटों को कैंप से होने वाले तरह-तरह के फायदों को उदाहरण के साथ बताया एवं कैडेटों का आह्वान किया कि इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान अधिकाधिक उत्साह व जोश के साथ अपना योगदान दें, ताकि यथोचित सैन्य प्रशिक्षण उन्हें दिया जा सके। कैम्प कमांडेंट ने सभी ए एन ओ / सी टी ओ तथा पी आई स्टाफ को पूरी निष्ठा लगन, एवं प्रवीणता के साथ कैडेटों को प्रशिक्षित करने का दिशा निर्देश जारी किया। ज्ञातव्य है कि इस प्रशिक्षण शिविर में कैडेटों को सैन्य प्रशिक्षण जैसे फ़ायरिंग हथियार ट्रेनिंग, ड्रिल, युद्ध कौशल, मानचित्र अध्ययन एवं रेडियो टेलीफोनी जैसे विषयों को पी आई स्टाफ़ द्वारा सिखाया जाएगा। तथा व्यक्तित्व विकास, सैन्य इतिहास, एनसीसी ज्ञान, सामान्य ज्ञान, नेतृत्व प्रशिक्षण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा आपदा प्रबंधन जैसे विषयों को स्कूलों एवं कॉलेजों की ए एन ओ /सी टी ओ द्वारा पढ़ाया जाएगा। इस कैंप के दौरान कैडेटों के सर्वांगीण विकास हेतु विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी जिसका प्रशिक्षण दिन के अपराह्न काल के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। आज कैंप के प्रथम दिन कैडेटों के आते ही उनका बायोमैट्रिक रजिस्ट्रेशन एवं डॉक्यूमेंटेशन हुआ तथा कल से मुख्य प्रशिक्षण आरंभ हो जाएगा। अंत में कैम्प कमाण्डेंट के उद्बोधन के पश्चात एनसीसी गान एवं राष्ट्र गान प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात उपरोक्त और कार्यक्रम को समाप्त घोषित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

इंस्पायर अवार्ड मानक राज्य स्तरीय आयोजित प्रदर्शनी के प्रतिभाग छः बाल वैज्ञानिकों का हुआ चयन

गोला गोकर्णनाथ खीरी। इंस्पायर अवार्ड मानक योजनांतर्गत जनपद स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लखीमपुर में आयोजित हुई इसमें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए छः बाल वैज्ञानिकों का चयन किया गया। प्रतियोगिता में सत्र 2023-24 व 2024-25 के इंस्पायर मानक अवार्ड के लिए चयनित आइडिया पर बाल वैज्ञानिकों ने मॉडल बनाकर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र ने दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज के बाल वैज्ञानिक कल विज्ञान व विकास का नया अध्याय लिखेंगे। इन्हीं बाल वैज्ञानिकों के नवाचार समाज की समस्याओं का निदान खोजने का कार्य करेंगे। विशिष्ट अतिथि विनोद कुमार ने बाल वैज्ञानिकों के प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए इन्हें आने वाले कल का कलाम बताया। राज्य स्तर के लिए वर्ष 2023 - 24 में सचिन आर्य (ग्रेन डिसटीब्यूटिंग मशीन) व सौरभ वर्मा (इक्र इट्टख्र सेफ्टी मशीन) और वर्ष 2024 - 25 में स्वस्तिका सिंह (ट्रेन कोलिशन प्रेवेंटर), प्राची श्रीवास्तव (स्मार्ट वेस्ट सॉल्यूशन इंटीग्रेटिंग इक्रएंड ऋद्व), निखिल राज (हेलमेट वाइपर वर्क बाई रैन) व निशांत (साइंस टेक्नोलॉजी मल्टी परपज गैस स्टोव) के मॉडल का चयन किया गया। सभी विजेताओं को मेडल और प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। निर्णायक के रूप मे एनआइएफ सदस्य डॉ. अभिषेक व डॉ. नवनीत कुमार मौजूद रहे। इस अवसर पर इंस्पायर मानक के जनपदीय सहनोडल डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि इंस्पायर मानक योजना के तहत चयनित सभी वाल वैज्ञानिको को मॉडल को मूर्त रूप देने हेतु भारत सरकार की ओर से दस हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है । समापन पर प्रधानाचार्य डॉ योगेंद्र प्रताप सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम के सफल आयोजन में देवेंद्र सिंह, संदीप वर्मा, अभय अग्निहोत्री के साथ ही विद्यालय के अध्यापकों का विशेष सहयोग रहा । उद्घाटन सत्र में कालेज उप प्रबन्धक भूषण साहनी राजकीय इण्टर कॉलेज शारदानगर के प्रधानाचार्य दिनेश तिवारी जी आई सी लखीमपुर के प्रधानाचार्य डॉ जगत प्रकाश सिंह बी ई ओ देवेश राय सहित तमाम मार्गदर्शक शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

सावन माह में कांवरियों के लिए बजरंग दल का सेवा भावः गोला में विशाल भंडारे का आयोजन

अजान खीरी। सावन मास के तीसरे सोमवार की पूर्व संध्या पर गोला नगर के बाईपास पर राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में कांवरियों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे का आयोजन राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया और वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आकाश जायसवाल के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान बजरंग दल के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मनोज कुमार शुक्ला, अखिलेश जायसवाल, अवधेश कुमार और पंकज सिंह तोमर , पारुल मिश्रा,दीपक दीक्षित ऊर्फ कल्लू, सन्नी कनौजिया आदि शामिल थे। भंडारे में तहडी चाय और रस का वितरण किया गया, जिसे कांवरियों और श्रद्धालुओं ने बड़े चाव से ग्रहण किया। भंडारा देर रात तक चलता रहा और इसमें शामिल लोगों ने सेवा भाव की सराहना की। सावन माह में इस तरह के आयोजन कांवरियों और श्रद्धालुओं के लिए राहत का काम करते हैं। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजन से कांवरियों को भगवान शिव की भक्ति में डूबने का अवसर मिलता है और उनकी यात्रा को आसान बनाया जा सकता है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इस भंडारे के आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी सेवा भावना का परिचय दिया।

रात्रि में नकली ड्रोन उड़ने से क्षेत्र में फैली अफवाह दहशत का माहौल, मैलानी पुलिस ने शुरू की जांच

कुकरा खीरी। थाना मैलानी क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस चौकी कुकरा चैनपुर, सलेमपुर, इंदिरा नगर, पहाड़नगर, जटपुरा, ढाका, सिकंदरपुर, पहाड़पुर, खजुहा मूडा, रोशननगर आदि क्षेत्र के गांवों में ग्रामीणों ने बीती रात नकली हेलीकॉप्टर उड़ते हुए देखा। ग्रामीणों ने जिसकी सूचना पुलिस चौकी कुक़रा को दी गई। सूचना पाकर चौकी प्रभारी अवनीश कुमार पवार मौके पर पहुंचे जहां से एक नकली डॉन कैमरा बच्चों वाला हेलीकॉप्टर बरामद हुआ है,वह हेलीकॉप्टर बिल्कुल डॉन के ही तरह से बैटरी चार्जिंग से उड़ता है।अवलीश कुमार पवार ने कहा है कि ऐसी अफवाहों पर ध्यान ना दें यह सब चार्जिंग बैटरी द्वारा बनाए गए बच्चों के लिए नकली हेलीकॉप्टर हैं जिसमें दो से तीन लाइटे जलती हैं यह सब अराजक तत्वों द्वारा पब्लिक को गुमराह करने के लिए किया जा रहा है। क्षेत्र में अराजक तत्वों द्वारा फैलाई जा रही सोशल मीडिया पर झूठी व भरमक खबरें एवं अफवाह को ध्यान में रखते हुए जांच अराजक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों का कहना है कि ड्रोन की उड़ान देखकर उन्हें चोरों के हमले का भय सताने लगा,जिससे वे पूरी रात सो नहीं पाते। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर उड़ते हुए नकली हेलीकॉप्टर को बरामद कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। कुकरा चौकी प्रभारी अवलीश कुमार पवार ने बताया कि क्षेत्र में ड्रोन उड़ने की जानकारी मिली थी,और सोशल मीडिया पर झूठी भरमक खबरों व अफवाहों पर ध्यान ना दें। पूरे जनपद में इस तरह के नकली हेलीकॉप्टर व ड्रोन उड़ने की जानकारी मिल रही है।

कुंभी चीनी मिल के क्षेत्र में मानसून प्लांटिंग का बढ़ा क्रेज

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कुंभी चीनी मिल के मोतीखेड़ा गांव में वफादार डोगी ने कराया मानसून प्लांटिंग का शुभारम्भ । मंगलवार 29जुलाई2025 को कुंभी चीनी मिल के गन्ना प्रमुख चंद्रहास आर. एच.मनीष बघेल के साथ ग्राम मोतीखेड़ा में मानसून गन्ना बुवाई के उद्घाटन के लिए पहुंचे वहां पर कृषक पापेंद्र सिंह के खेत पर बुवाई होनी थीं इसमें सबसे रुचिकर बात यह रही कि वहां पर उपस्थित एक डोगी ने गन्ने के टुकडे उठाकर बिना किसी के कहे स्वयं उत्प्रेरित होकर कुंभी के गन्ना जी.एम. साहब के साथ गन्ना बुवाई में भागीदार बनकर वहां पर उपस्थित सभी को आश्चर्यचकित कर दिया उसके बाद मीटिंग में भी उपस्थित होकर बातों को बड़े ध्यान से सुना।डॉगी की समझदारी देख चीनी मिल के अधिकारियों व मौजूद किसानों ने बड़ी सराहना की है।मिल के अधिकारियों ने डोगी का धन्यवाद कहा है।

सात्विक-चिराग की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में टॉप 10 में वापसी, लक्ष्य और उन्नति की एकल में छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीडब्ल्यूएफ पुरुष युगल वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप 10 में वापसी कर ली है। मंगलवार को जारी ताज़ा रैंकिंग में उन्होंने चीन ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद तीन स्थान की छलांग लगाई और अब वह 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से 13-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ टूर पर उनका तीसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में अंतिम-4 में जगह बनाई थी। पिछले साल थाईलैंड ओपन जीतने के बाद वे वर्ल्ड नंबर 1 बने थे। पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन दो स्थान की छलांग लगाकर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके 54,442 अंक हैं और वे अब चीन के झेनशियांग वांग से आगे हैं, जिन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाकर 18वां स्थान हासिल किया है। एचएस प्रणय भी दो पायदान ऊपर चढ़ते हुए 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। महिला एकल में 17 वर्षीय उन्नति हुड्डा ने चार स्थान की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग हासिल की है। उन्होंने पिछले सप्ताह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को प्री-क्वार्टर फाइनल में हराकर यह मुकाम हासिल किया था। हरियाणा की उभरती हुई शटलर ने सिंधु को 21-16, 19-21, 21-13 से हराया था। हालांकि, वह क्वार्टर फाइनल में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से हार गईं। सिंधु 15वें स्थान पर स्थिर बनी हुई हैं और महिला एकल में शीर्ष रैंकिंग वाली भारतीय खिलाड़ी बनी हुई हैं। महिला युगल में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी 11वें स्थान पर बनी हुई है, जबकि तनिशा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी दो स्थान की छलांग के साथ 45वें स्थान पर पहुंच गई है।

मंधाना की जगह महिला वनडे में नंबर एक बल्लेबाज बनी इंग्लैंड की स्किवेर ब्रंट

दुबई। इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवेर ब्रंट ने भारत की स्मृति मंधाना को पछाड़कर आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। भारत के खिलाफ हाल ही में श्रृंखला में 160 रन बनाने वाली स्किवेर ब्रंट 2023 में रैंकिंग में शीर्ष पर रही थी। मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 115 रन बनाये थे लेकिन वह रैंकिंग में एक पायदान नीचे आ गई। स्किवेर ब्रंट के अब 731 अंक हैं जबकि मंधाना के 728 अंक हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 21वें से 11वें नंबर पर खिसक गई जबकि मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रौड्रिग्स 15वें से 13वें स्थान पर आ गई। गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे स्थान पर बनी हुई है जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे जबकि आस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर और मेगान शट पहले दो स्थान पर हैं।

इंग्लैंड में जिस तरह की क्रिकेट खेली, वह गर्व की बात : गंभीर

एजेंसी

लंदन। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है , उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। गंभीर श्रृंखला के दौरान टीम के समर्थन के लिये प्रशंसकों को धन्यवाद देने के लिये सोमवार को इंडिया हाउस में संबोधित कर रहे थे। भारत ने चौथे टेस्ट में जीत की कगार पर पहुंचकर मैच ड्रॉ कराया था। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच इतिहास ऐसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हमने जब भी ब्रिटेन का दौरा किया है, हमें प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। हम किसी भी चीज को हलके में नहीं लेते। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सप्ताह दोनों टीमों के लिये काफी रोमांचक रहे हैं। श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा भारतवंशियों के स्वागत समारोह में भारतीय टीम का समुदाय के नेताओं, सांसदों और खेलप्रेमियों ने जबर्दस्त स्वागत किया। भारत और इंग्लैंड के बीच निर्णायक पांचवां टेस्ट ओवल पर बृहस्पतिवार से खेला जायेगा। गंभीर ने कहा ,'' दोनों टीमों ने काफी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया है। हमारे पास एक सप्ताह और है और हम पूरा प्रयास करेंगे कि देशवासियों और यहां मौजूद लोगों को गर्व करने का मौका दें। इंग्लैंड में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने कहा कि टीम ने श्रृंखला में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह विषमताओं से लड़ने की देश की इच्छाशक्ति का परिचायक है। उन्होंने कहा कि यह शानदार श्रृंखला रही है और बेहतरीन भावना के साथ खेली गई। सारे मैच पांच दिन तक चले और रोमांचक रहे। हमारी टीम ने जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह नये भारत के जीवट का प्रतीक है। पांचवें टेस्ट का परिणाम चाहे जो हो, हमें अपनी टीम पर गर्व है। समारोह के आखिर में कमेंटेटर और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ खिलाड़ियों के साथ बातचीत सत्र का संचालन किया। श्रृंखला में अब तक 700 से ऊपर रन बना चुके गिल ने कहा कि श्रृंखला शुरू होने से पहले मुझे लगा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैंने अपने खेल पर काफी काम किया और मैं खुद को साबित करना चाहता था।

अविनाश साबले की हुई एसीएल सर्जरी , 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। भारत के 3000 मीटर स्टीपलचेज़ राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अविनाश साबले ने अपने दाहिने घुटने में एन्टीरियर क्रूशिएट लिगामेंट (एसीएल) और मेनिस्कस की चोट के लिए सफल सर्जरी कराई है। हालांकि उनकी रिकवरी में आमतौर पर 6 से 8 सप्ताह का समय लगता है, जिससे वह 13 से 21 सितंबर के बीच होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भाग ले पाएंगे या नहीं, इस पर संदेह बन गया है। साबले ने यह जानकारी अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में दी और लिखा, ''मोनाको डायमंड लीग के दौरान मेरे दाहिने घुटने में एसीएल और मेनिस्कस की चोट लग गई थी। यह मेरे लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन मैं कड़ी मेहनत कर फिर से मजबूती से वापसी करूंगा। मोनाको में हुए 3000 मीटर स्टीपलचेज़ इवेंट में साबले रेस पूरी नहीं कर सके थे। रेस की शुरुआत में वॉटर जंप के दौरान वह गिर पड़े थे और दर्द से जूझते हुए उन्हें रेस छोड़नी पड़ी। उन्हें घुटने के पीछे जांघ के निचले हिस्से को पकड़ते हुए देखा गया था। सर्जरी के बाद साबले ने कहा, ''मैंने डॉ. दिनशॉ पारदीवाला और कोकिलाबेन अस्पताल की टीम की देखरेख में सर्जरी पूरी की है। उनके प्रति मैं दिल से आभारी हूं। साथ ही मैं एएफआई, टॉप्स, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट, नाइकी और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स का भी आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस कठिन समय में मेरा साथ दिया। साबले का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 8 मिनट 09.91 सेकंड है। इस साल 16 अप्रैल को उन्होंने ज़ियामेन डायमंड लीग में 13वां स्थान हासिल किया था, उसके बाद चीन के केकियाओ में आठवें स्थान पर रहे, जबकि मोनाको में वह रेस पूरी नहीं कर पाए।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराया, सीरीज 5-0 से जीती

एजेंसी

बासेटेर (सेंट्स किट्स)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच मंगलवार को जीतकर सीरीज 5-0 से क्लीन स्वीप कर ली। गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस (3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी और बाद में मिडिल ऑर्डर की दमदार बल्लेबाज़ी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 3 ओवर बाकी रहते हुए 3 विकेट से जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 171 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और टीम ने 25 रन पर 3 विकेट और 60 पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कैमरन ग्रीन (32 रन), टिम डेविड (12 गेंद में 30 रन, 4 छक्के, 1 चौका) और मिशेल ओवेन (37 रन) ने पारी को संभाला। जब ग्रीन आउट हुए, तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 141-6 था और उसे अभी 30 रन की जरूरत थी। हालांकि, आरोन हार्डी ने 28 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा, ल्लसीरीज शुरू होने से पहले 5-0 की उम्मीद नहीं थी, लेकिन हमने बेहतरीन क्रिकेट खेला। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने हार की वजह बल्लेबाज़ी को बताया। उन्होंने कहा, ल्लहमने कभी भी पूरी तरह सटीक बल्लेबाज़ी प्रदर्शन नहीं किया – या तो अच्छी शुरुआत मिली और अंत खराब रहा, या फिर इसके उलट हुआ। इतने मजबूत विपक्ष के सामने आप इस तरह जीत नहीं सकते। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज को पहले बल्लेबाज़ी के लिए बुलाया। बेन ड्वार्शुइस ने चौथे ओवर में ब्रैंडन किंग (11) और कप्तान शाई होप (9) को आउट कर टीम को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद वेस्टइंडीज का स्कोर 64-4 हो गया था। यहां से शिमरोन हेटमायर ने संघर्ष करते हुए 31 गेंदों में 52 रन बनाए जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे। ऐसा लग रहा था कि हेटमायर टीम को एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक ले जाएंगे, लेकिन ड्वार्शुइस ने धीमी बाउंसर पर उन्हें लंबा शॉट खेलने को मजबूर किया और शॉन एबॉट ने लॉन्ग-ऑफ पर कैच लपक लिया। हेटमायर के आउट होने के बाद वेस्टइंडीज 19.4 ओवर तक 170 पर सिमट गई। मैच के 'प्लेयर ऑफ द मैच' ड्वार्शुइस ने कहा, ल्लपिच थोड़ी धीमी थी, इसलिए हमने हार्ड लेंथ और स्लोअर बॉल का अच्छा इस्तेमाल किया।

संक्षिप्त समाचार

महिला कोपा अमेरिका: पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को हराकर कोलंबिया फाइनल में

क्विटो। कोलंबिया की महिला फुटबॉल टीम ने सोमवार को खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही टीम ने 2028 लॉस एंजेलेस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम में मुकाबला 0-0 की बराबरी पर छूटा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया। कोलंबियाई गोलकीपर कैथरीन तापिया ने अर्जेंटीना की पॉलिना ग्रामालिया का शॉट रोककर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके बाद मायरा रामिरेज़ का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया और अर्जेंटीना को वापसी का मौका मिल गया। कोलंबिया की वेंडी बोनिला ने छठा पेनल्टी किक गोल में बदलकर दबाव अर्जेंटीना पर डाल दिया। अर्जेंटीना की एलिआना स्टैबिल गोल करने में नाकाम रहीं और उनका शॉट बार से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मैच के बाद गोलकीपर तापिया ने कहा, ल्लहम फाइनल में हैं और ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है, यही हमारा लक्ष्य था। अब हम फाइनल के लिए तैयार हैं। अर्जेंटीना ने शुरुआत में आक्रामक खेल दिखाया। फ्लोरेनसिया बॉनसेगुंडो और यामिला रोड्रिगेज ने कोलंबियाई डिफेंस पर दबाव बनाया, लेकिन तापिया ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से खेल की लय थोड़ी बाधित हुई। कोलंबिया की ओर से रामिरेज, लेइसी सैंटोस और लिंडा कैसेडो ने गोल के अवसर बनाए, लेकिन उन्हें भुनाया नहीं जा सका। दूसरे हाफ में कोलंबिया ने दबाव और बढ़ाया और वैलेरिन लोबोआ का एक शॉट लगभग गोल में तब्दील होता दिखा, लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने शानदार बचाव कर मैच को बराबरी पर बनाए रखा। इस मैच में पहली बार टूर्नामेंट में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) तकनीक का इस्तेमाल किया गया। यह तकनीक केवल नॉकआउट मुकाबलों के लिए उपलब्ध है। इंजरी टाइम में सोफिया ब्राउन और मैनुएला पावी के बीच पेनल्टी क्षेत्र में हुई टक्कर की समीक्षा के बाद रेफरी ने पेनल्टी न देने का फैसला किया। अब कोलंबिया फाइनल में ब्राज़ील और उरुग्वे के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेगी।

चालू वित्त वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कर्मियों का वेतन 6.2-11.3 प्रतिशत बढ़ेगा: रिपोर्ट

मुंबई। भारतीय उद्योग जगत चालू वित्त वर्ष में औसतन 6.2-11.3 प्रतिशत तक वेतन वृद्धि कर सकता है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया। रिपोर्ट के मुताबिक] नियोक्ता कौशल प्रमाणन और प्रोत्साहन आधारित जुड़ाव पर अधिक ध्यान देकर अपनी कार्यबल रणनीतियों को नया रूप दे रहे हैं। टीमलीज सर्विसेज S जॉब्स एंड सैलरी प्राइमर 2025-26अ रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न उद्योगों में औसत वेतन वृद्धि 6.2 प्रतिशत से 11.3 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। कुछ भूमिकाओं में वेतन वृद्धि 13.8 प्रतिशत तक हो सकती है। टीमलीज सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (कार्यबल) कार्तिक नारायण ने कहा, ''6.2 प्रतिशत से 11.3 प्रतिशत तक की अनुमानित वेतन वृद्धि, भारत के रोजगार और वेतन परिदृश्य में व्यापक बदलाव का संकेत देती है। जैसे-जैसे नए जमाने के उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसी भूमिकाओं की मांग भी बढ़ रही है, जो तकनीकी क्षमता को तत्काल व्यावसायिक जरूरतों के साथ जोड़ती हैं। यह रिपोर्ट 23 उद्योगों और 20 शहरों के 1,308 व्यवसायों से रायशुमारी पर आधारित है। इसके मुताबिक, ईवी और ईवी अवसंरचना (11.3 प्रतिशत), टिकाऊ उपभोक्ता सामान (10.7 प्रतिशत), खुदरा (10.7 प्रतिशत) और एनबीएफसी (10.4 प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा वेतन वृद्धि की उम्मीद है।

एनसीएलटी ने जगन की सरस्वती पावर के शेयरों का बहन, मां को हस्तांतरण रद्द करने की याचिका स्वीकार की

हैदराबाद। राष्ट्रीय कंपनी विधि प्राधिकरण (एनसीएलटी) की हैदराबाद पीठ ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की याचिका मंगलवार को स्वीकार कर ली और उनके पक्ष में निर्देश जारी किए। जगन ने तीन सितंबर 2024 को दाखिल याचिका में सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज में उनके तथा उनकी पत्नी भारती के शेयर को उनकी बहन वाईएस शर्मिला और मां विजयम्मा के नाम पर किए गए ''अवैध हस्तांतरण'' को रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। याचिका में जगन ने राष्ट्रीय कंपनी विधि प्राधिकरण (एनसीएलटी) से कंपनी में उनके और भारती द्वारा रखे गए शेयर के हस्तांतरण को रद्द करने, निरस्त करने और निष्प्रभावी करने के साथ ही सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में उनके नाम बहाल करने का अनुरोध भी किया था। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख के वकील वाई सूर्यनारायण ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' जगन मोहन रेड्डी की याचिका स्वीकार कर ली गई है। हम आदेश की प्रति का इंतजार कर रहे हैं। कुछ निर्देश भी दिए गए हैं।

भारत में जन्मे शैलेश जेजुरिकर पीएंडजी के सीईओ नियुक्त, एक जनवरी से संभालेंगे कार्यभार

नयी दिल्ली। अमेरिका की दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली प्रॉक्टर एंड गैंबल कंपनी ने भारत में जन्मे शैलेश जेजुरिकर को अपना अगला मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। जेजुरिकर एक जनवरी 2026 से उपभोक्ता सामान बनाने वाली इस बहुराष्ट्रीय कंपनी का नेतृत्व करेंगे। पीएंडजी भारतीय बाजार में भी एक अग्रणी एफएमसीजी कंपनी है जो एरियल, टाइड, व्हिस्पर, ओले, जिलेट, अम्बिपुर, पैम्पर्स, पैंटीन, ओरल-बी, हेड एंड शोल्डर्स और विक्स जैसे ब्रांड के साथ काम करती है। सिनसिनाटी (ओहियो) स्थित कंपनी के बयान के अनुसार, जेजुरिकर (58) 1989 में सहायक ब्रांड प्रबंधक के रूप में प्रॉक्टर एंड गैंबल (पीएंडजी) में शामिल हुए थे। शीर्ष नेतृत्व परिवर्तन के तहत वह जॉन मोलर का स्थान लेंगे।

डीपीआईआईटी ने एथर एनर्जी के साथ समझौता किया, ईवी विनिर्माण मजबूत होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता एथर एनर्जी के साथ एक प्रारंभिक करार किया है। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए नए अवसर उपलब्ध करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव सिंह और एथर एनर्जी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण मेहता की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ज्ञापन डीप-टेक स्टार्टअप्स के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन और ईवी मूल्य श्रृंखला में स्टार्टअप्स के लिए बुनियादी ढांचा समर्थन प्रदान करेगा। इस समझौते से ईवी और विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए नए अवसर उपलब्ध होने की उम्मीद है। भारत के जलवायु और औद्योगिक लक्ष्यों के अनुरूप भविष्य के लिए आत्मनिर्भर स्टार्टअप के अनुकूल वातावरण बनेगा। डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव सिंह ने कहा कि एथर एनर्जी के साथ इस साझेदारी के जरिए हमारा लक्ष्य एक ऐसे अनुकूल वातावरण के विकास को गति प्रदान करना है, जहां स्टार्टअप ईवी निर्माण, बैटरी नवाचार और स्वच्छ ऊर्ज़ा समाधानों में सार्थक योगदान दे सकें। इस अवसर पर एथर एनर्जी के सह-संस्थापक और सीईओ तरुण मेहता ने कहा कि हमें हार्डवेयर और डीप-टेक स्टार्टअप्स की सहायता के लिए उपयुक्त प्रणालियों को मजबूत करने के उद्देश्य से डीपीआईआईटी के साथ सहयोग करके प्रसन्नता हो रही है। स्टार्टअप पॉलिसी फोरम की अध्यक्ष और सीईओ श्वेता राजपाल कोहली ने कहा कि डीपीआईआईटी और एथर एनर्जी के बीच ये साझेदारी स्टार्टअप पॉलिसी फोरम की बिल्ड इन भारत पहल को जीवंत बना रही है। इस सहयोग के जरिए भारत के विनिर्माण क्षेत्र की क्षमता को उजागर करना वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी नवाचार के अनुकूल परिवेश के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

एनसीएलटी ने जगन की सरस्वती पावर के शेयर बहन मां को हस्तांतरण रद्द करने की याचिका स्वीकार की

एजेंसी

हैदराबाद। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की हैदराबाद पीठ ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी की याचिका मंगलवार को स्वीकार कर ली और उनके पक्ष में निर्देश जारी किए। जगन ने तीन सितंबर, 2024 को दाखिल याचिका में सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज में उनके तथा उनकी पत्नी भारती के शेयर को उनकी बहन वाई एस शर्मिला और मां विजयम्मा के नाम पर किए गए ''अवैध हस्तांतरण'' को रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। याचिका में जगन ने एनसीएलटी से कंपनी में उनके और भारती द्वारा रखे गए शेयर के हस्तांतरण को रद्द करने, निरस्त करने और निष्प्रभावी करने के साथ ही सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में उनका नाम बहाल करने का अनुरोध भी किया था। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख के वकील वाई सूर्यनारायण ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' जगन मोहन रेड्डी की याचिका स्वीकार कर ली गई है। हम आदेश की प्रति का इंतजार कर रहे हैं। कुछ निर्देश भी दिए गए हैं। जगन मोहन रेड्डी द्वारा दायर याचिका में कहा गया था कि सरस्वती पावर में शेयर के हस्तांतरण की अनुमति दे दी गई है। संपर्क करने पर शर्मिला के वकील के. देवी प्रसन्ना कुमार ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ अपीलीय न्यायाधिकरण या उच्च न्यायालय में अपील दायर करेंगे। जगन, भारती और विजयम्मा के पास सरस्वती पावर में क्रमशः 74.26 लाख (29.88 प्रतिशत), 41 लाख (16.30 प्रतिशत) और 1.22 करोड़ शेयर (48.99 प्रतिशत) हैं, जबकि शेष शेयर क्लासिक रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड के पास हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने शर्मिला के साथ अपने संबंधों में तनाव आने के बाद इस मुद्दे पर न्यायाधिकरण का रुख किया था। शर्मिला वर्तमान में आंध्र प्रदेश कांग्रेस इकाई की प्रमुख हैं। याचिका में जगन ने कहा कि उन्होंने शर्मिला के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि '' प्यार एवं स्नेह के कारण'' वह कंपनी में अपने और अपनी पत्नी के शेयर को एक उपहार स्वरूप अपनी अलग हो चुकी बहन को हस्तांतरित करेंगे। हालांकि, यह प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कुर्की सहित कुछ संपत्तियों के संबंध में लंबित मामलों के अधीन है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह 200 करोड़ रुपये के अतिरिक्त शेयर (जगन की अपनी संपत्ति) भी हस्तांतरित करना चाहते हैं, जो उन्होंने पिछले दशक के दौरान सीधे या अपनी मां के माध्यम से अपनी बहन को दी थी। जगन ने अपनी बहन को लिखे पत्र में कहा कि कानूनी दायित्वों को पूरा किए बिना और अदालत से मंजूरी लिए बिना शेयर हस्तांतरण के संभावित रूप से प्रतिकूल प्रभाव होंगे।

लेंसकार्ट ने आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किए दस्तावेज

नयी दिल्ली। लेंसकार्ट सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष सोमवार को दाखिल किए गए दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ में 2,150 करोड़ रुपये के नए शेयर और 13.22 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। बिक्री पेशकश घटक में प्रवर्तक पीयूष बंसल, नेहा बंसल, अमित चौधरी तथा सुमीत कपाही और निवेशकों में एसवीएफ II लाइटबल्ब (केमैन) लिमिटेड, श्रोडर्स कैपिटल प्राइवेट इक्विटी एशिया मॉरीशस लिमिटेड, पीआई ऑपर्च्युनिटीज फंड S II, मैक्रिची इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, केदारा कैपिटल फंड II एलएलपी तथा अल्फा वेव वेंचर्स एलपी अपने शेयर बेचेंगे।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार पांच दिनों की गिरावट के बाद आज घरेलू सर्राफा बाजार सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण आज भी देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये से लेकर 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज सोमवार के भाव 91,590 रुपये से लेकर 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

नागपंचमी पर्व पर नागकूप में दर्शन पूजन के लिए उमड़े श्रद्धालु,नागेश्वर महादेव का जलाभिषेक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कालसर्प योग से बचने के लिए पुरोहितों से कराई गई खास पूजा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में नागपंचमी पर्व पर मंगलवार को जैतपुरा नवापुरा स्थित नागकूप पर दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने नागकूप का दर्शन पूजन कर परिसर स्थित नागेश्वर महादेव के दरबार में हाजिरी लगाई। दरबार में शिवलिंग का जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने घर परिवार,देश और समाज में सुख शांति की नागेश्वर महादेव से कामना की। दरबार में दर्शन पूजन के लिए अलसुबह से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होते रहे। मंदिर में नागेश्वर महादेव और उनके गले में लिपटे सर्प देवता को बेल पत्र, धतूरा, फूल, हल्दी चावल, दूध आदि चढ़ाकर लोगों ने विधि विधान से पूजा अर्चना की। इसके पहले भोर में मंदिर के गर्भगृह में महादेव की विधिवत आराधना, मंगला आरती के बाद आम भक्तों के लिए पट खोल दिया गया। सुबह ही भगवान नागेश्वर महादेव की पूजा बिल्वार्चन और दुग्धाभिषेक से की गई। गौरतलब हो कि नागकूप के बारे में पौराणिक मान्यता है कि नागकूप के नीचे बने कुआं से ही नागलोक का रास्ता जाता है। शेषावतार नागवंश के महर्षि पतंजलि ने सैकड़ों साल तक इसी जगह तपस्या की थी। माना जाता है कि काशी के इस प्राचीन नागकूप का इतिहास 3 हजार साल से अधिक पुराना है। इस कूप के अंदर सात कुएं

है और उनके नीचे भी सीढ़ियों के जरिए रास्ता बना हुआ है, जो नागलोक तक जाता है। इस कुंए के अंदर शिवलिंग भी स्थापित है और साल में एक बार नागपंचमी पर कूप और कुआं का सारा पानी निकाल कर शिवलिंग का श्रृंगार कर विशेष पूजा की जाती है। इसके बाद पानी निकालने वाले पंप को बंद कर दिया जाता है, थोड़ी देर में ही कुंआ व नागकुंड दोनों ही पानी से भर जाता है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता राजेश पांडेय बताते है कि कालसर्प दोष से मुक्ति के लिए पूरे देश में तीन ही स्थान है। इसमें काशी का नागकूप मुख्य है। नाग पंचमी के दिन यहां भक्तों की भारी भीड़ होती है। जिन लोगों को सर्प दंश का भय होता है वो इस कुंड में स्नान करते है तो उन्हें इससे मुक्ति मिल जाती है। नागपंचमी पर्व पर मंगलवार को नागकूप पर परम्परानुसार शास्त्रार्थ के लिए संस्कृत के विद्वानों का जमावड़ा होगा। नागकूप शास्त्रार्थ समिति की ओर से आयोजित शास्त्रार्थ सभा में संस्कृत के विद्वान शास्त्रार्थ में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि नागकूप पर शेषावतार महर्षि पतंजलि ने अपने गुरु महर्षि पाणिनी के व्याकरण अष्टाध्यायी पर महाभाष्य रचा था। योग सूत्र की रचना उन्होंने कभी इसी स्थान पर की थी, यहां नाग पंचमी पर शास्त्रार्थ की परंपरा का इतिहास है।

पिलर से शिवलिंग गायब, गांव में तनाव राजस्व टीम कर रही स्थल की नापी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में हलिया थाना क्षेत्र के मनिगढ़ा गांव स्थित यूपी-एमपी बॉर्डर के जडकुड़ इलाके में मंगलवार सुबह उस समय हड़कम्प मच गया जब पिलर पर स्थापित शिवलिंग के गायब होने की खबर फैल गई। पूजा के लिए पहुंचे ग्रामीणों ने जब शिवलिंग को वहां से लापता पाया तो आक्रोशित हो उठे। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और मौके की स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलते ही एसडीएम लालगंज संजीव कुमार यादव, तहसीलदार दीक्षा पांडेय, एडीशनल एसपी ओमप्रकाश सिंह, सीओ अशोक कुमार सिंह, हलिया थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव और ड्रमंडगंज चौकी प्रभारी ब्रह्मदिन पांडेय भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। प्रशासन ने स्थल को लेकर चल रहे पुराने विवाद को ध्यान में रखते हुए राजस्व विभाग की टीम से जमीन की पैमाइश शुरू करवा दी है। यह भूमि हिन्दू और मुस्लिम पक्ष को दिए गए पट्टे के कारण पहले से विवादित बताई जा रही है। हिन्दू पक्ष के लोगों का कहना है कि यदि नापी में यह भूमि उनके हिस्से में आती है, तो वे फिर से वहां मंदिर का निर्माण कराएंगे। एसडीएम संजीव कुमार यादव ने बताया कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बल तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी तक किसी पक्ष द्वारा थाने में लिखित तहरीर नहीं दी गई है, लेकिन जांच की जा रही है।

ईस्ट जोनल हैंडबॉल चैम्पियनशिप में सनबीम स्कूल ने लहराया परचम

बलिया। सीबीएसई द्वारा आयोजित हैंडबॉल ईस्ट जोनल चैम्पियनशिप में सनबीम स्कूल ने अपना परचम लहराया है। विद्यालय के होनहारों ने चैम्पियनशिप में अंडर 17 बालिका वर्ग में द्वितीय स्थान तथा अंडर 14 व अंडर 19 बालक वर्ग में कांस्य पदक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। बालिका वर्ग की खिलाड़ी रितिका सिंह को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, बालक वर्ग से आर्यन तिवारी को बेस्ट कीपर व अभिनंदन यादव को बेस्ट स्कोरर के अवॉर्ड से नवाजा गया। इन सभी खिलाड़ियों को विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा मंगलवार को सम्मानित किया गया। बच्चों के प्रदर्शन और टीम की सफलता की खबर सुनकर समूचे विद्यालय में खुशी की लहर है।

नाग पंचमी मुकाबले में प्रशिक्षित पहलवानों का भाग लेना काशी की परंपरा : अजय यादव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। यूपी के वाराणसी जिले में पहलवानी का प्रशिक्षण देने वाले अजय यादव ने मंगलवार को कहा कि नाग पंचमी का इंतजार वर्षभर करने के बाद प्रशिक्षित पहलवान मुकाबले में भाग ले रहे हैं। सभी पहलवान अखाड़े में जोर आजमाइश कर शरीर का बल दिखा रहे हैं। दांव पेंच से कुश्ती जीती जाती है और नाग पंचमी मुकाबले में प्रशिक्षित पहलवानों का भाग लेना काशी की पुरानी परंपरा है। अजय यादव ने कहा कि शहर के मध्य बेनिया बाग स्थित राम सिंह अखाड़े से उन्होंने पहलवानी शुरु की थी। वह अपने गुरु राणा से पहलवानी सीखते थे और बाद में स्वयं ही पहलवानों को प्रशिक्षण देने लगे। उनसे प्रशिक्षण लेने वाले पहलवानों में मैदागिन, सारनाथ, आशापुर, पांडेपुर, अस्सी सहित बनारस के बाहर के भी निवासी है। शहर के भीतर बड़े अखाड़े में औघड़ नाथ तकिया (पिपलानी कटरा), पंडा जी का अखाड़ा (बांस फाटक), रामसेवक अखाड़ा (अस्सी), कर्णघंटा अखाड़ा (बुलानाला), संतराम अखाड़ा (मणिकर्णिका घाट), गया सेठ अखाड़ा, स्वामीनाथ अखाड़ा, नरोत्तमपुर अखाड़ा, बबुआ पांडेय अखड़ा, सोनिया अखाड़ा, सकूर जिलानी अखाड़ा, बड़ा गणेश अखाड़ा लोहटिया, रामसिंह अखाड़ा बेनियाबाग में नागपंचमी पर आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में पहलवानों के मुकाबले देखे। मणिकर्णिका घाट के पास पानी लगे होने के कारण पहलवानों को आने जाने में थोड़ी दिक्कत महसूस हुई। पहलवानों ने गंगा के जल को भी अपने शरीर पर लगाकर चुस्ती फुर्ती की कामना की।

बीएचईएल में ट्रक लोडिंग के दौरान दुर्घटना में युवक की दर्दनाक मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अमेठी। अमेठी जिले के औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर के कटोरा में स्थित भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड फैक्ट्री में ट्रक लोडिंग के दौरान हुई दुर्घटना में ट्रक ड्राइवर की दर्दनाक मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच और विधिक कार्यवाही में जुटी हुई है।

मृतक युवक के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर पहुंचे दयासागर केवट ने बताया कि कमरौली थाना क्षेत्र अंतर्गत बीएचईएल फैक्ट्री में ट्रेलर पर लोहे की प्लेट लोड हो रही थी। हाइड्रा से उठाकर प्लेट को ट्रेलर पर लोड किया जा रहा था। प्लेट को बेल्ट से बांधकर हाइड्रा से ट्रक पर रखा जाता था। जैसे ही प्लेट पहुंची और उसका बेल्ट खोला गया बेल्ट ढीली हो गई थी और पूरी प्लेट निकाली नहीं गई थी दो प्लेट बची हुई थी, तभी हाइड्रा वालों ने उठा लिया जिसके चलते वह ट्रक ड्राइवर के ऊपर गिर गई। जिसके कारण ड्राइवर प्रहलाद यादव (27) पुत्र प्रेम यादव निवासी गांव सिसवा हैदराबाद पोस्ट महानगर जनपद आजमगढ़ की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बारे में कमरौली के थानाध्यक्ष मुकेश पटेल ने बताया कि ट्रेलर पर सभी प्लेट लोड हो चुकी थी, उसके बाद ट्रक ड्राइवर प्रहलाद प्लाटों के नीचे ईंट लगा रहा था। तभी वह फिसल कर नीचे सड़क पर गिर गया। जिसके कारण उसके सिर में गंभीर चोटें आई। तत्काल ड्राइवर को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर पहुंचाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना ड्राइवर के परिजनों को दे दी गई है। परिजनों के आने के बाद ही पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जाएगी।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय

कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

वाराणसी में नागपंचमी पर्व का उत्साह अखाड़ों में पहलवानों ने दिखाया दम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में नागपंचमी (सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी)पर्व मंगलवार को उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया जा रहा है। पर्व पर विधि विधान से घर-घर नागदेवता का पूजन अर्चन किया गया। इस अवसर पर नागों के चित्र की पूजा कर उन्हें पंचामृत, घृत, कमल, दूध, लावा अर्पित किया गया। जनपद के शिवमंदिरों में भी पूजा की थाली लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान शिव व उनके गले में लिपटे सर्प को बेल पत्र, धतूरा, फूल, हल्दी चावल, दूध आदि चढ़ाकर विधि विधान से पूजा अर्चना की। नाग पंचमी पर्व पर ही काशी पुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पर्व पर बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए कांवड़िए और श्रद्धालु अलसुबह से ही कतारबद्ध होने लगे थे। पूजन अर्चन के बाद सनातनियों के घरों में पकवान बना कर नागदेवता को भोग लगाया गया। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने पकवान को हंसी खुशी माहौल में खाया। वहीं, इस मौके पर कई घरों में परिजनों की कालसर्प योग की शांति के लिए नाग देवता सहित ग्रह राहु-केतु की पूजा अर्चना विधिवत वैदिक ब्राम्हणों से कराई गई। इसके पूर्व पर्व पर अलसुबह छोटे गुरु का, बड़े गुरु का, नाग लो भई नाग लो की हांक लगा छोटे-छोटे बच्चे नाग देवता का चित्र बेचने के लिए हर गली मोहल्ले में घूमते रहे। लोग बड़े चाव से बच्चों से नाग देवता की तस्वीर खरीद पूजा पाठ करते थे। उधर, परम्परानुसार पर्व पर दोपहर में अखाड़ों में मल्लयुद्ध, दंगल, महुवर आदि का प्रदर्शन हुआ। सपेरे टोकरी में नाग लेकर लोगों को दर्शन कराके अच्छा खासा चढ़ावा भी पाते रहे। पर्व पर सुबह से नगर के अखाड़ों में युवा और पुरनिये पहलवान मिट्टी की पूजा पाठ के बाद कुश्ती और अन्य शारीरिक दमखम की प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे। वार्मअप, दमकसी और भुजाओं को गरमाने के लिए अखाड़ों में युवा पहलवान दण्ड बैठक मारते दिख। यह नजारा नगर के प्रमुख अखाड़ा रामसिंह, गयासेठ, पंडाजी का अखाड़ा, अखाड़ा मानमंदिर, बबुआ पांडेय अखाड़ा, अखाड़ा बड़ा गणेश, अखाड़ा जग्गू सेठ, अखाड़ा रामकुंड, लालकुटी व्यायामशाला, कालीबाड़ी, अखाड़ा गैबीनाथ, अखाड़ा तकिया सहित सभी छोटे बड़े अखाड़ो में दिखा।

डीएम के व्यवहार से नाराज एबीवीपी कार्यकर्ता बारिश में पढ़ने लगे हनुमान चालीसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ता मंगलवार को जिलाधिकारी के खिलाफ कलेक्ट्रेट परिसर में भारी बारिश में जमीन पर बैठकर हनुमान चालीसा पढ़ने लगे। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं का आरोप था कि जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने अपने कार्यलय कक्ष में उनके साथ अभद्रता की। टीडी कालेज के छात्रसंघ अध्यक्ष दीपक सिंह ने बताया कि एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री अमन और जिला संगठन मंत्री ऋषभ जिले में प्राइवेट विद्यालयों की मनमानी के खिलाफ कार्रवाई के लिए कुछ अन्य छात्रों के साथ पूर्व निर्धारित समय के अनुसार डीएम से मिलने उनके कार्यालय कक्ष में पहुंचे थे। करीब दो घंटे तक इंतजार कराने के बाद डीएम ने खुद न मिलकर पत्रक लेने के लिए सीओ और कोतवाल को कमरे के बाहर भेज दिया। इस पर छात्र नाराज हो गए। बाद में तीन लोगों को बुलाकर डीएम ने उन्हें खरी-खोटी सुना दी। इस पर नाराज होकर छात्र बाहर निकल गए और बारिश में जमीन पर ही बैठकर एबीवीपी कार्यकर्ता हनुमान चालीसा पढ़ने लगे। साथ ही डीएम से माफ़ी मांगने और कोतवाल को हटाने की मांग करने लगे। धरना स्थल पर छात्रों ने कहा कि एबीवीपी ज्ञान शील और एकता के सिद्धांत पर कार्य करता है। जरूरत पड़ी तो डीएम कार्यालय में बंदी भी की जाएगी। अपने मातृ संस्था से छात्र संगठन के सदस्यों के नाराज होने की खबर सुनकर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्र भी मौके पर पहुंच गए। छात्र अपनी मांगों पर अड़े हुए थे।

सियासी नीचता की पराकाष्ठा है अभद्र टिप्पणियों को हवा देना!

दिनेश दुबे

करीब हफ्ते भर पहले कैराना की सांसद इकरा हसन पर करणी सेना के कथित उपाध्यक्ष ठाकुर योगेन्द्र सिंह द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी का मसला अभी सुलझ भी नहीं पाया था कि तीन दिन पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव पर मस्जिद में बैठने की मुद्रा पर मौलाना साजिद ने अभद्र टिप्पणी कर दी। सियासी नीचता की पराकाष्ठा तो देखिए कि सपा सांसद इकरा हसन पर अभद्र टिप्पणी करने वाले करनी सेना के कथित नेता पर सत्ता से जुड़े जो लोग और संगठन चुप्पी साधकर बैठे थे, उन्होंने सांसद डिंपल यादव पर अभद्र टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया से लेकर देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद तक में हंगामा खड़ा कर दिया। सत्तापक्ष के इस कारनामे की हकीकत से क्या देश का पूरा विपक्ष और प्रबुद्ध वर्ग अनजान है? क्या देश की जनता ये नहीं समझती कि देश में साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाकर सत्ता हाँसिल करने वालों को इस समय ''हिंदू- मुस्लिम'' करने और सांसद डिंपल यादव पर कथित ''कठमुल्ले'' द्वारा की गई टिप्पणी की आड़ में ''दो-धारी'' तलवार भांजने की अति आवश्यकता नहीं है? सच किसी से छिपा नहीं है ! सपा की दोनों अति सभ्य और शालीन महिला सांसदों पर टिप्पणियां क्यों और किसके इशारे पर हुई है? ये बात भी जनता को भली भांति समझ में आ रही है ! एक ही दल और दो अलग अलग समुदाय की महिला सांसदों पर अलग- अलग समुदाय के कथित नेताओं द्वारा की गई अभद्र टिप्पणियों और उन नेताओं के सत्तापक्ष से सार्वजनिक संबंधों की हकीकत किस से छिपी रह गई है? किसके इशारे पर ये सब हो रहा है? यह भी किसी से छिपा नहीं है। फिर भी अगर देखा जाए तो यूपी के पूर्व सीएम और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मौलाना साजिद के खिलाफ लखनऊ के विभूतिखंड थाने में केस भी दर्ज कराया जा चुका है। देखा जाए तो सपा कार्यकर्ता चिनहट विकल्पखंड गंगोत्री लेक व्यू अपार्टमेंट निवासी प्रवेश यादव की तहरीर पर महिला के शील का अपमान करने के इरादे से बोले गए शब्द, इशारा या कार्य से संबंधित बीएनएस की धारा 79 सहित अन्य कई धाराओं में रविवार को जब मामला दर्ज हुआ होगा तो क्या पार्टी और संबंधित लोगों को पता नहीं हुआ होगा? बावजूद इसके रविवार को पूरे दिन सोशल मीडिया खासकर सत्तापक्ष के आईटी सेल ने सांसद डिंपल यादव की हमदर्दी में भूख हड़ताल रखी। पानी पी- पीकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को ललकारते रहे। वोट बैंक के लिए पत्नी का अपमान सहने का मुद्दा उठाते रहे। लेकिन न सपा अध्यक्ष ने कोई तल्ख टिप्पणी की और न ही सपा के किसी जिम्मेदार बड़े पदाधिकारी ने कुछ बोला। शायद इसी वजह से सत्तापक्ष को खाली पेट पेचिश भी हो गई, जिसके चलते सोमवार को संसद भवन के बाहर पूरे एनडीए ने महिला सांसद डिंपल यादव के अपमान का मुद्दा बनाकर विधवा विलाप भी किया। देश की जनता जानती ही है कि सांसद इकरा हसन पर टिप्पणी करने वाले कथित करनी सेना के नेता के खिलाफ भी सपा अधिवक्ता सभा द्वारा सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया गया था। इससे साथ ही करनी सेना ने सांसद इकरा हसन पर टिप्पणी करने वाले ठाकुर योगेन्द्र सिंह से अपना पल्ला झाड़ते हुए उसे लफंगा बताया था। करनी सेना सहित देश के पूरे क्षत्रिय समाज ने लफंगे योगेन्द्र सिंह की कड़ी आलोचना करते हुए उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने का समर्थन भी किया था। ठीक इसी तरह मौलाना साजिद द्वारा सांसद डिंपल यादव के मस्जिद में बैठने की मुद्रा पर की गई टिप्पणी को मुस्लिम धर्म गुरुओं ने न सिर्फ ख़ारिज किया बल्कि गैर जरूरी भी बताया है। बावजूद इसके सत्तापक्ष ने सिर्फ और सिर्फ सियासी फायदे और विपक्षी दल से जुड़े बड़े वोट बैंक में उथल पुथल करने के लिए हंगामा खड़ा कर रखा है। देखा जाए तो ढाई दशक से राजनीति में सक्रिय सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजनीतिक परिपक्वता का परिचय देते हुए सत्तापक्ष की साजिश को भांपना शुरू कर दिया। जो देश और समाज के साथ ही लोकतंत्र के लिए सुखद संदेश है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं
मोबाइल :- 9415147159
ईमेल :- dineshknj1@gmail.com

बुंदेलखंड की लोकगाथा 'आल्हा' विलुप्ति की कगार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन। उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड की मिट्टी में रचे-बसे वीर रस से ओतप्रोत आल्हा गायन विलुप्ति की कगार पर है। आल्हा कभी एक चौपाल में बैठकर समूह में सुना गाया जाता रहा है, उसके प्रभाव और आत्मिक अनुभूति को शब्दों में नहीं बांध सकता। यह न केवल एक लोकगीत शैली है, बल्कि संघर्ष, बलिदान और शौर्य की जीती-जागती परंपरा भी है। अब यही विधा आधुनिकता, उदासीनता और सामाजिक विमुखता के कारण धीरे-धीरे विलुप्ति की ओर बढ़ती नजर आ रही है। बुंदेलखंड की पहचान बन चुके आल्हा गायन और कजरी जैसी लोकगीत विधाएं आज केवल सांस्कृतिक समारोहों और औपचारिक आयोजनों तक सिमट कर रह गई हैं। जिन गीतों ने कभी बुंदेलखंड के गांवों में रात-भर जागरण का माहौल बना दिया था, वे आज के युवाओं के लिए अनजाने बनते जा रहे हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. हरी मोहन पुरवार कहते हैं कि भारतीय परंपरा का आधा भाग उसकी लोकसंस्कृति है। वे बताते हैं, ह्लभारत में ग्रामगीतों की पुरानी परंपरा रही है। ये गीत कभी श्रुति परंपरा से, तो कभी लिपिबद्ध होकर पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ते रहे। आल्हा गायन बुंदेलखंड की आत्मा है, इसका रस और आत्मबल कुछ अलग ही है। लोकगायन को पसंद करने वाले और पेशे से लोहार गांव निवासी संतराम बताते हैं, ह्लजब कोई आल्हा गायक तेज रौबीली भाव-भंगिमा के साथ मंच पर आता है, तो उसकी वीर रस से भरी प्रस्तुति पूरे श्रोता वर्ग को भीतर तक झकझोर देती है मगर अब समूह में आल्हा गायन सुनने वालों की संख्या घटती जा रही है, जो हमारी लोकसंस्कृति के क्षरण का संकेत है। कासीखेड़ा गांव के निवासी कल्लू यादव बीते दिनों को याद करते हुए कहते हैं, ह्लपहले हम लोग खाना-पीना छोड़कर भी आल्हा सुनते थे। जब रेडियो पर आल्हा आता था तो सभी काम छोड़कर सुनते थे। अब आल्हा केवल रस्म अदायगी बनकर रह गया है, व्यस्त जीवनशैली ने हमारे सांस्कृतिक रस को ही सूखा दिया है। समाजसेवी संजय, श्रीवास्तव जो स्वयं आल्हा गायन के श्रोता रहे हैं, मानते हैं कि टेप रिकॉर्डर, सीडी और बाद में डिजिटल माध्यमों ने लोकगायन की लोकप्रियता को सीमित कर दिया है। पहले हर घर में आल्हा की किताब मिलती थी, बच्चे-बूढ़े सब पढ़ते-सुनते थे, अब न तो घरों में किताबें हैं, न माहौल है। आज की पीढ़ी न तो इसे जानना चाहती है, और न ही इसे आत्मसात करने को तैयार है, उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा। भुजरियों की लड़ाई, बेतवा की लड़ाई, लाखन का गौना या बाप का बदला जैसी वीरगाथाएं अब केवल पुराने गायकों या श्रोताओं की स्मृति में कैद होकर रह गई हैं। चंदन यादव (बोदहपुरा) कहते हैं, ह्लअब तो आल्हा की किताबें भी शहर के चुनिंदा बुक स्टॉलों पर ही मिलती हैं, जबकि पहले हर गांव, हर चौपाल पर इनकी चर्चा होती थी। चंदन इस स्थिति से उबरने के लिए ठोस पहल की मांग करते हैं। अब समय आ गया है कि जिले की सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएं सामने आकर आल्हा गायन के संरक्षण में भूमिका निभाएं। ज़िला प्रशासन को भी लोकगायन को बढ़ावा देने के लिए ठोस नीति बनानी चाहिए। स्कूलों, महाविद्यालयों और ग्राम सभाओं में आल्हा प्रतियोगिताएं कराई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि एक समय था जब लोग रात-रात भर जागकर, दूसरे गांवों तक जाकर आल्हा गायन सुनते थे। लेकिन अब यह माहौल खो गया है। यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आल्हा गायन भविष्य में केवल अतीत की बात बनकर रह जाएगा। वरिष्ठ श्रोता और लोकगायन प्रेमी यह भी सुझाव देते हैं कि सरकारी सांस्कृतिक आयोजनों में आल्हा गायन को विशेष रूप से शामिल